संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 228
पृष्ठ 8
शुक्रवार
09 मई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- एजिंग स्किन की केयर कर सकती...

विचार- मॉक ड्रिल : संयम और साहस...

खेल- टेस्ट डेब्यू पर लगातार दो शतक...

प्रधानमंत्री मोदी ने सचिवों के साथ बैठक की

सतर्कता और परिचालन तैयारियों पर बल दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के मद्देनजर बृहस्पतिवार को विभिन्न मंत्रालयों के सचिवों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की और निरंतर सतर्कता तथा स्पष्ट संवाद बनाए रखने का आह्वान किया। साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा और परिचालन तैयारियों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि बैठक के दौरान जिन मुद्दों पर चर्चा की गई उनमें नागरिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत करना, गलत सूचना और फर्जी खबरों से निपटने के प्रयास और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा सुनिश्चित करना शामिल था। मंत्रालयों को राज्य प्राधिकारियों और जमीनी स्तर के संस्थानों के साथ निकट समन्वय बनाए रखने की भी सलाह दी गई। उच्च स्तरीय बैठक में भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के सचिवों ने भाग लिया तथा राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित हाल के घटनाक्रम के मद्देनजर राष्ट्रीय स्तर पर तैयारियों और अंतर–मंत्रालयी समन्वय की समीक्षा की गई। बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी ने परिचालन निरंतरता और संस्थागत तालमेल के लिए मंत्रालयों और एजेंसियों के बीच निर्बाध समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। इसमें कहा गया है, ''देश के संवेदनशील दौर से गुजरने के मद्देनजर प्रधानमंत्री ने निरंतर सतर्कता, संस्थागत तालमेल और स्पष्ट संचार का आह्वान किया। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा, परिचालन तैयारियों और नागरिक सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।'' यह बैठक भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान और इसके कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले करने के एक दिन बाद हुई। हमले में जैश–ए–मोहम्मद के गढ़ बहावलपुर और लश्कर–ए–तैयबा के अड्डे मुरीदके को निशाना बनाया गया है। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों द्वारा 26 नागरिकों की हत्या के लगभग दो सप्ताह बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत सैन्य हमले किए गए। बैठक के दौरान मोदी ने वर्तमान स्थिति से निपटने के लिए मंत्रालयों की योजना और तैयारी की समीक्षा की। बयान में कहा गया है कि सचिवों को अपने–अपने मंत्रालय के कार्यों की व्यापक समीक्षा करने और आवश्यक प्रणालियों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है, जिसमें तत्परता, आपातकालीन प्रतिक्रिया और आंतरिक संचार प्रोटोकॉल पर विशेष ध्यान दिया जाए। इसमें कहा गया है कि सचिवों ने वर्तमान स्थिति में 'संपूर्ण सरकार' दृष्टिकोण के साथ अपनी योजना का विवरण दिया। सभी मंत्रालयों ने मौजूदा घटनाक्रम के संबंध में अपनी कार्ययोजनाओं की पहचान कर ली है तथा प्रक्रियाओं को मजबूत बनाया जा रहा है। बयान में कहा गया है कि मंत्रालय सभी प्रकार की उभरती स्थितियों से निपटने के लिए तैयार हैं। बैठक में कैबिनेट सचिव, प्रधानमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी तथा रक्षा, गृह, विदेश, सूचना एवं प्रसारण, ऊर्जा, स्वास्थ्य और दूरसंचार सहित प्रमुख मंत्रालयों के सचिवों ने भाग लिया।

यूपी में निवेश और व्यापार का बढ़िया माहौल : सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निवेशकों का आह्वान किया कि अपराध मुक्त उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर और सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (इबजा) के कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए उन्होंने बीते आठ साल में राज्य की अर्थव्यवस्था और कानून व्यवस्था को मजबूत करने में हुई उल्लेखनीय प्रगति की विशेष रूप से चर्चा की। उन्होंने एसोसिएशन से आग्रह किया कि वे उत्तर प्रदेश में जेम्स एंड ज्वैलर्स पार्क की स्थापना के लिए एक विस्तृत रोडमैप तैयार करें। सीएम योगी ने कहा कि आज प्रदेश में सुरक्षा का बेहतरीन माहौल है। यह अपराध और माफिया मुक्त प्रदेश बन चुका है। उन्होने जेम एंड ज्वैलरी से जुड़े व्यापारियों को आश्वस्त किया कि सरकार हर कदम पर आपके साथ है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल व्यापारिक संभावनाओं को बढ़ावा देगा, बल्कि सरकार के'आठ साल बेमिसाल अभियान को गति देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। योगी ने जेम्स एंड ज्वैलर्स उद्योग की भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि यह क्षेत्र देश की जीडीपी में 7 प्रतिशत का योगदान देता है और आयात शुल्क तथा जीएसटी के माध्यम से भी इसका योगदान अद्वितीय है। उन्होंने कहा कि जेम्स एंड ज्वैलर्स उद्योग न केवल आर्थिक विकास में योगदान देता है, बल्कि रोजगार सृजन और वैश्विक बाजार में भारत की पहचान को भी मजबूत करता है।

एलओसी पर निर्दोष नागरिकों को निशाना बना रहा कायर पाकिस्तान, अब तक 13 की मौत, 59 घायल

जम्मू, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पाकिस्तान के संघर्ष विराम उल्लंघन में 13 नागरिक मारे गए हैं और 59 अन्य घायल हुए हैं। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच इस बात की जानकारी दी है। 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। बुधवार को भावनाएं और बढ़ गईं, जब भारतीय सेना ने पाकिस्तान द्वारा नियंत्रित क्षेत्रों में नौ जगहों पर आतंकवादी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' नामक कार्रवाई की।

अपनी संपत्ति को नुकसान पहुंचा चुके एक नागरिक ने कहा कि पीएम मोदी द्वारा (पाकिस्तान के खिलाफ) की गई कार्रवाई बहुत अच्छी है। हम सरकार से मदद की गुहार लगाते हैं, क्योंकि मेरे बेटे का घर क्षतिग्रस्त हो गया है। एक ग्रामीण ने बताया कि ये प्लॉट हमें सरकार ने आवंटित किए थे। जब भी गोलीबारी होती है और सरकार हमें सचेत करती है, हम इन जगहों पर लौट आते हैं। हमें अभी से सचेत कर दिया गया है, और अगर गोलीबारी बंद हो जाती है, तो हम वापस चले जाएंगे। यहां दो–तीन परिवार एक साथ रहते हैं। सीमा पर रहने वाले एक नागरिक ने कहा कि आज सुबह करीब 3 बजे जब हमने गोलाबारी की आवाजें सुनीं तो हम बाहर आ गए। अब यहां सिर्फ धुआं और नुकसान है... हम शांति चाहते हैं। एक सैन्य अधिकारी ने कहा, ''सात और आठ मई की रात के दौरान पाकिस्तानी सैन्य चौकियों ने बिना किसी उकसावे के जम्मू कश्मीर में एलओसी के पास के क्षेत्रों कुपवाड़ा, बारामूला, उरी और अखनूर में छोटे एवं बड़े हथियारों से गोलीबारी की।'' अधिकारी ने कहा, ''भारतीय सेना ने इसका माकूल जवाब दिया।'' बढ़ते तनाव के मद्देनजर अधिकारियों ने आदेश दिया है कि जम्मू क्षेत्र के पांच सीमावर्ती जिलों में सभी शैक्षणिक संस्थान बृहस्पतिवार को दूसरे दिन भी बंद रहेंगे।

प्रतिशोध का कोई अंत नहीं होता, कमजोर लोगों को असहनीय कीमत चुकानी पड़ती है : महबूबा

श्रीनगर, एजेंसी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को कहा कि जब प्रतिशोध का कोई अंत नहीं होता है तो बेजुबान और असहाय लोगों को असहनीय कीमत चुकानी पड़ती है। महबूबा की यह टिप्पणी जम्मू कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा सीमा पार से की गई गोलाबारी के मद्देनजर आई है। जम्मू कश्मीर की मुख्यमंत्री रह चुकी महबूबा ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''पहलगाम में हुए भयावह हमले के बाद, मुझे लगा कि मैंने त्रासदी की गहराई देख ली है। लेकिन आज जब मैंने भारत–पाकिस्तान तनाव की गोलीबारी में मारे गए मासूम बच्चों की भयावह तस्वीरें देखीं, तो मुझे एहसास हुआ कि अभी और भी बुरा समय आने वाला है।'' उन्होंने पोस्ट में लिखा, ''जब प्रतिशोध का कोई अंत नहीं होता, तो बेजुबान और असहाय लोग असहनीय कीमत चुकाते हैं – उनका छीन लिया गया भविष्य, एक ऐसा घाव है, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।'' बुधवार को जम्मू कश्मीर में नियंत्रण रेखा के पास अग्रिम गांवों को निशाना बनाकर पाकिस्तानी सेना ने कई वर्षों में सबसे भीषण गोलाबारी की और मोर्टार दागे, जिसमें चार बच्चों और एक सैनिक सहित कम से कम 13 लोग मारे गए जबकि 57 घायल हो गए।

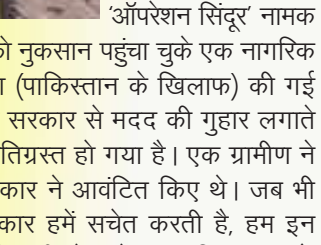

'दुनिया ने कल फिर देखा भारत का शौर्य'

ऑपरेशन सिंदूर पर बोले राजनाथ सिंह, सेना की कार्रवाई पर गर्व

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रीय गुणवत्ता सम्मेलन को आज संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कहा कि हमारी सशस्त्र बलों ने, कल जो कार्रवाई की है, जो शौर्य और पराक्रम दिखाया है, उसके लिए उन्हें बधाई देता हूँ। पाकिस्तान और पीओके में, जिस तरह से हमारी सशस्त्र बलों ने आतंकी शिविरों को नेस्तनाबूद किया है, वह हम सबके लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को जिस सटीकता से अंजाम दिया गया, वह अकल्पनीय है, बहुत प्रशंसनीय है। इसमें नौ आतंकी शिविरों को नष्ट किया गया और बड़ी संख्या में आतंकियों को मार गिराया गया। यह ऑपरेशन बिना किसी निर्दोष को नुकसान पहुंचाए और न्यूनतम संपार्श्विक क्षति के साथ किया गया। राजनाथ ने कहा कि 2014 में माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में, हमारी सरकार आने के बाद, प्रधानमंत्री जी ने हमें एक अत्यंत महत्वपूर्ण सूत्र प्रदान किया। उन्होंने शुरुआत में ही, रक्षा उत्पादन क्षेत्र का सशक्तिकरण पर विशेष बल दिया। उन्होंने जो सूत्र दिया, उसके पीछे की दर्शन थी, रक्षा संप्रभुता की। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने रक्षा उत्पादन में गुणवत्ता और मात्रा, दोनों पर समान रूप से बल दिया है। इसी दिशा में कई क्रांतिकारी कदम उठाए गए, जिनमें से कुछ महत्वपूर्ण कदमों का उल्लेख, मैं यहाँ करना चाहूंगा। आयुध कारखानों का निगमीकरण, उनमें से एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण कदम रहा है, जिसे हमने मदेनतम किया, ताकि कम समय में ही रक्षा उत्पादन में व्यापक सुधार हो सके। इससे पहले राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को सर्वदलीय बैठक में कहा कि पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत किए गए मिसाइल हमलों में कम से कम 100 आतंकवादी मारे गए। सूत्रों ने यह जानकारी दी है। सूत्रों का कहना है कि रक्षा मंत्री ने बैठक में शामिल नेताओं को यह भी बताया कि यह एक जारी अभियान है और अगर भारत के लक्षित हमले के मद्देनजर पाकिस्तान कोई सैन्य कदम उठाता है तो भारत मुंहतोड़ जवाब देगा।

गैस सिलेंडर फटने से नौ लोगों की मौत

बीकानेर, एजेंसी। राजस्थान में बीकानेर के कोतवाली थाना क्षेत्र में गैस सिलेंडर फटने से नौ लोगों की मौत हो गयी जबकि सात अन्य घायल हो गये है। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि बुधवार सुबह सिटी कोतवाली थाने के पास मदान मार्केट के एक भवन में अचानक गैस सिलेंडर में विस्फोट हो गया। जिससे भवन की छत ढह गई एवं दुकानों में कार्यरत कर्मचारी मलबे में दब गये। विस्फोट से आग भी लग गई। हादस में दस घायलों को मलबे से निकाल कर अस्पताल पहुंचाया गया जिनमें दो को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

मलबे से शाम को एक और शव निकाला गया। पुलिस ने बताया कि कल सचिन सोनी, मोहम्मद असलम और सलमान बंगाली की मौत हुई। वहीं गुरुवार को अस्पताल में एक और घायल ने दम तोड़ दिया जबकि मलबे से पांच शव और निकाले गये। पुलिस ने बताया कि इनकी शिनाख्त किशन पुत्र पूनम, किशन पुत्र भंवर, रामस्वरूप, असलम, लालचंद और अयान के रूप में हुई है।

पंजाब में पूर्ण ब्लैकआउट का आदेश, पटाखों के इस्तेमाल पर भी प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत–पाकिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव के बीच, पंजाब के गुरदासपुर में अधिकारियों ने गुरुवार रात से पूरे जिले में ब्लैकआउट का आदेश दिया है। इस बीच, अमृतसर और तरनतारन के डिप्टी कमिश्नरों ने जिलों में पटाखों के इस्तेमाल पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। गुरदासपुर के डिप्टी कमिश्नर ने गुरुवार को एक आदेश जारी करते हुए कहा कि आज रात से अगले आदेश तक जिले में रात

9 बजे से सुबह 5 बजे तक ब्लैकआउट रहेगा। हालांकि, छावनी क्षेत्रों या सैन्य क्षेत्रों में कोई ब्लैकआउट नहीं किया जाएगा। अमृतसर की डिप्टी कमिश्नर साक्षी साहनी ने जिले में शादियों, समारोहों और धार्मिक आयोजनों के दौरान हवाई पटाखों और चीनी पटाखों सहित पटाखों के इस्तेमाल पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत लागू किए गए इस उपाय का उद्देश्य लोगों में दहशत को रोकना और कानून–व्यवस्था बनाए रखना है। आदेश में कहा गया है कि प्रतिबंध अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा। भोजन, पेट्रोल, डीजल, चारा और अन्य दैनिक आवश्यकताओं जैसी आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी और कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के लिए साहनी ने एक विशेष टास्क फोर्स का गठन किया और जनता की सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए।

मुजफ्फरनगर के खालापार में भारत की सैन्य सफलता पर गूंजे 'भारतीय सेना जिंदाबाद' के नारे, मुस्लिम समाज ने दिखाई एकजुटता

'ऑपरेशन सिंदूर' का नेतृत्व करने वाली देश की बेटियों पर है गर्व: मनीष चौधरी

मुजफ्फरनगर। खालापार स्थित कादिर राणा की पुरानी कोठी के पास एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें राष्ट्रीय सामाजिक संस्था, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच, स्थानीय डॉक्टरों की टीम और मोहल्ले वासियों ने एकजुट होकर भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान के अंदर घुसकर किए गए श्ऑपरेशन सिंदूरश की सफलता का जश्न मनाया। इस अवसर पर 'भारतीय सेना जिंदाबाद' और 'हिंदुस्तान जिंदाबाद' जैसे देशभक्ति से ओतप्रोत नारों से क्षेत्र गूंज उठा।

कार्यक्रम में खास तौर पर लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह की वीरता और देशभक्ति की सराहना की गई। दोनों महिलाओं ने इस विशेष सैन्य अभियान में नेतृत्व की भूमिका निभाई। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कहा कि इन बेटियों ने देश का नाम रोशन कर यह सिद्ध कर दिया है कि भारतीय महिलाएं किसी भी मोर्चे पर पीछे नहीं हैं।

प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, "देश को गर्व है अपनी बेटियों पर। लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने यह साबित कर दिया कि महिलाएं भी देश की रक्षा में सबसे आगे हैं। इससे यह भी सिद्ध होता है कि इस देश का मुस्लिम समाज देशभक्त है और किसी भी कुर्बानी से पीछे नहीं हटता।" उन्होंने आगे बताया कि श्ऑपरेशन सिंदूरश को यह नाम उन वीर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए दिया गया है, जिन्होंने पहलगाम आतंकी हमले में अपने प्राण न्योछावर किए थे।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के प्रतिनिधि फैजर्रहमान ने भी इस मौके पर कहा "भारत ने आतंक के खिलाफ जिस सख्ती से कार्यवाही की है, वह काबिले–तारीफ है। देश का मुसलमान भारत सरकार और भारतीय सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है।"

इस आयोजन ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि देश की सुरक्षा और सम्मान के लिए सभी धर्मों और समुदायों के लोग एकजुट हैं। शिया धर्मगुरु मोहम्मद आलम ने कहा, "भारत का मुसलमान भी देशभक्त है। अगर कोई भारत की ओर आंख उठाकर देखेगा तो उसका अंजाम तय है। सेना की यह कार्यवाही गौरव का विषय है।"

इस अवसर पर प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी, ओसामा, शावेज़, जुबेर, डॉक्टर अब्दुल, वाजिद, अरूज मेहरी, डॉक्टर अलीम आदि मौजूद रहे।

पत्नी की सहमति के बिना अप्राकृतिक यौन संबंध अपराध माना जाएगा, पति की याचिका खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अप्राकृतिक यौन संबंध के मामले में दर्ज मुकदमे को चुनौती देने वाली पति की याचिका खारिज कर दी। हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी की सहमति के बिना अप्राकृतिक यौन संबंध अपराध की श्रेणी में आता है। कोर्ट मध्य

प्रदेश हाईकोर्ट के निर्णय पर असहमति जताई। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी की इच्छा के बिना उसके साथ अप्राकृतिक यौन संबंध बनाना दुष्कर्म भले न हो, लेकिन आईपीसी की धारा 377 के तहत अपराध है। कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के निर्णयों से असहमति जताई, जिसमें किसी व्यक्ति का अपनी पत्नी की इच्छा के विरुद्ध अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने को धारा 377 के तहत अपराध नहीं माना गया था। यह टिप्पणी कर न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की पीठ ने इमरान खान की याचिका खारिज कर दी। प्रयागराज के शिवकुटी थाने में इमरान पर उनकी पत्नी ने 2023 में दहेज उत्पीड़न के साथ ही अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने व अन्य आरोपों में मुकदमा दर्ज कराया था। याची ने ट्रायल कोर्ट के समन और संज्ञान आदेश सहित मुकदमे की संपूर्ण कार्रवाई को रद्द करने की मांग करते हुए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की।

याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि उसकी पत्नी ने काफी देरी से मुकदमा दर्ज कराया है। अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने का कोई अपराध नहीं बनता। क्योंकि, आवेदक और प्रतिवादी पति–पत्नी हैं। वहीं, राज्य और पत्नी के वकीलों ने यह कहते हुए याचिका का विरोध किया कि आवेदक के खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला बनता है। कोर्ट ने आवेदक के वकील की इस दलील को खारिज कर दिया कि दोनों पति–पत्नी हैं। इसलिए अपाकृतिक अपराध नहीं बनता है। न्यायालय ने याचिकाकर्ता के खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला पाते हुए उसकी याचिका खारिज कर दी।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद चिकित्सकों को ड्यूटी पर बने रहने के निर्देश, यूपी में जारी है रेड अलर्ट

प्रयागराज। ऑपरेशन सिंदूर के बाद मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज से संबद्ध स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय के चिकित्सकों को प्राचार्य प्रो. डॉ. वत्सला मिश्रा ने मौखिक रूप से नियमित ड्यूटी पर बने रहने का निर्देश दिया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज से संबद्ध स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय के चिकित्सकों को प्राचार्य प्रो. डॉ. वत्सला मिश्रा ने मौखिक रूप से नियमित ड्यूटी पर बने रहने का निर्देश दिया है। हालांकि अभी तक शासन की तरफ से कोई लिखित आदेश कॉलेज प्रशासन व जिला

प्रशासन को प्राप्त नहीं हुआ है। इससे पहले जिलाधिकारी रवींद्र कुमार मांदड़ ने मौखिक रूप से मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एके तिवारी के माध्यम से जनपद के सभी चिकित्सकों को अवकाश पर न जाने का निर्देश दिया है। एयर स्ट्राइक के बाद मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने सभी प्रोफेसरों को ग्रीष्मकालीन अवकाश पर भी न जाने का निर्देश दिया है। बता दें कि हर साल 16 मई से एक महीने के लिए मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर रोटेशन के आधार पर अवकाश पर जाते हैं। इस वर्ष यह दूसरा मौका है। क्योंकि इससे पहले महाकुंभ के दौरान भी चिकित्सकों का शीतकालीन अवकाश निरस्त कर दिया गया था।

डीएम ने मौखिक रूप से सभी चिकित्सकों को ड्यूटी पर बने रहने का निर्देश दिया है। सभी जिला व मंडलीय चिकित्सालयों सहित प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में यह निर्देश जारी कर दिया गया है। –डॉ. एके तिवारी, सीएमओ

शासन की तरफ से अभी तक चिकित्सकों का अवकाश निरस्त करने का कोई लिखित आदेश प्राप्त नहीं हुआ है। लेकिन एयर स्ट्राइक के बाद मैंने मौखिक तौर पर नियमित ड्यूटी पर बने रहने का निर्देश दिया है। –डॉ. वत्सला मिश्रा, प्राचार्य, एमएलएन मेडिकल कॉलेज

प्रयागराज से सप्ताह भर में विदा हो जाएगी ई–डबल डेकर बस, रूट पर नहीं बनी सहमति

प्रयागराज। महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में लाई गई ई डबल डेकर बस अब यहां चंद दिनों की ही मेहमान है। सप्ताह भर में इन बसों की संगम नगरी से विदाई हो जाएगी। फिलहाल इन बसों का संचालन प्रयागराज में अब नहीं होने जा रहा है। महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में लाई गई ई डबल डेकर बस अब यहां चंद दिनों की ही मेहमान है। सप्ताह भर में इन बसों की संगम नगरी से विदाई हो जाएगी। फिलहाल इन बसों का संचालन प्रयागराज में अब नहीं होने जा रहा है। यह बसें वापस रोडवेज के लखनऊ मुख्यालय को भेजी जा रही हैं। प्रयागराज में

लगे महाकुंभ के दौरान यूपी रोडवेज ने 24 ई–अटल बस और दो ई–डबल डेकर बसें यहां भेजी। अटल बस सेवा का महाकुंभ के दौरान शटल बसों के रूप में संचालन हुआ। महाकुंभ संपन्न होने के बाद यह बसें अस्थायी ई चार्जिंग स्टेशन बंद हो जाने की वजह से खड़ी रहीं, लेकिन बाद में प्रयाग स्टेशन पर चार्जिंग स्टेशन की सुविधा शुरू होने जाने के बाद इन बसों का संचालन 100 किमी या उससे कम दूरी वाले स्थानों के लिए शुरू हो गया। वहीं दूसरी ओर ई–डबल डेकर बसों की बात करें तो बीते तीन माह से यह बसें रोडवेज के राजापुर स्थित प्रयाग डिपो की वर्कशॉप पर ही खड़ी हैं। इन बसों का संचालन अब प्रयागराज में नहीं होगा। यह बसें सप्ताह भर में वापस लखनऊ चली जाएंगी। पूर्व में इन बसों का संचालन शहर के दो रूट पर करने की योजना बनाई गई थी। गोविंदपुर से प्रयागराज छिवकी एवं प्रयागराज एयरपोर्ट से इन बसों के दो संभावित रूट पर तकरीबन मुहर भी लग चुकी थी। हालांकि शहर के तमाम रूटों पर जगह–जगह लटके विद्युत तार एवं कम ऊंचाई के रेल अंडर ब्रिज आदि कारणों से रोडवेज प्रशासन ने इन बसों का संचालन प्रयागराज में न किए जाने की बात कही है। क्षेत्रीय प्रबंधक एमके त्रिवेदी बताते हैं कि ई–डबल डेकर बसों का संचालन अब प्रयागराज में नहीं होगा। यह बसें जल्द ही लखनऊ मुख्यालय को वापस भेज दी जाएंगी।

बूंद-बूंद पानी के लिए लग रही कतार

- 15 दिनों से लोगों के घरों में पानी नहीं आ रहा है।
- पूरे वर्ष लो प्रेशर की समस्या बनी रहती है।
- नए पोल लगाने के बाद पुराने बिजली के पोल हटाए नहीं गए हैं।
- सड़क एवं गलियां कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गई हैं।
- ट्यूबवेल पर नई और उच्च क्षमता की मोटरें लगाई जाएं।
- क्षतिग्रस्त पाइप लाइनों को ठीककर पानी का प्रेशर बढ़ाया जाए।
- पुराने लोहे के पोल को हटाकर उस पर दौड़ रहे तारों को नए पोल से जोड़ा जाए।
- क्षतिग्रस्त सड़क एवं गलियों को चिह्नित कर उसकी मरम्मत की जाए।

प्रयागराज। मुक्ता विहार कॉलोनी नैनी के त्रिवेणी नगर में बीते पन्द्रह दिनों से पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। पानी न मिलने से इस गर्मी में लोग परेशान हैं। घरों के नल सूखे पड़े हैं और बाल्टियां पानी की बूंद गिरने का इंतजार कर रही हैं। लोग किसी तरह आसपास से पानी लाकर काम चला रहे हैं । वैसे तो यहां पानी की समस्या पूरे वर्ष बनी रहती है। लो प्रेशर के कारण घरों में पानी ठीक से नहीं पहुंच पाता लेकिन एक पखवारे से स्थिति विकराल हो गई है। एक बड़ी आबादी बूंद–बूंद पानी के लिए परेशान है।

इसकी शिकायत जलकल चलाते हैं, इसके बावजूद पानी की जरूरतें पूरी नहीं हो पाती। जिन घरों में सबमर्सिबल पंप लगा है वहां पानी भरने को भीड़ लगी रहती है। आसपड़ोस के लोग बाल्टी लेकर कतार में अपनी पारी की प्रतीक्षा करते रहते हैं। घरों में पानी न आने से आरओ के पानी की खपत भी बढ़ गई है।

स्थानीय लोगों ने इसकी शिकायत जोन 5 के जलकल के दफ्तर में की तो वहां इसकी जिम्मेदारी त्रिवेणीनगर टंकी के कर्मचारियों पर डाल कर पल्ला झाड़ लिया गया। टंकी के कर्मचारी कहते हैं कि पानी पाताल में चला गया है, कहां से आपूर्ति हो। जाहिर है उनका मिलने से बच्चे समय से स्कूल नहीं पहुंच पाते। जो बच्चे स्कूल के लिए निकलते हैं उनमें से अधिकतर बिना नहाए सिर्फ मुंह धुलकर स्कूल चले जाते हैं।

सुबह से अभिभावक पानी के लिए बाल्टी लेकर निकल पड़ते हैं। उनके लिए बच्चों को स्कूल छोड़ने से ज्यादा जरूरी पानी का इंतजाम करना होता है। कई बच्चे तो परिवार के लोगों के साथ पानी की कतार में लगकर घर की परेशानी में मदद करने में लगे रहते हैं। इस चक्कर में कई बच्चों का स्कूल छूट जा रहा है। लोग कर रहे टैंकर भेजने की मांग एक पखवारे से पानी के लिए परेशान लोग यहां टैंकर से पानी है। कुछ पोल तो नाली के दायरे में आ गए हैं जिन्हें हटाना बेहद जरूरी है। पुराने लोहे के पोल के गुजर रहे तार ढीले होकर लटके हुए हैं जिससे कभी भी हादसा हो सकता है।

पन्द्रह दिन से अधिक हो गए घर के नल में पानी आए हुए। हम लोग किसी तरह बाहर से पानी का इंतजाम कर काम चला रहे हैं। पानी न आने से पूरा त्रिवेणी नगर परेशान है, पर कोई सुनने वाला नही है। –श्यामलाल शर्मा

गर्मी में घर में पानी न आए तो इससे बड़ी सजा क्या हो सकती है। सुबह उठते ही पानी के जुगाड़ में लग जाते हैं। ठीक से नहाए कई दिन हो गए, कपड़े भी साफ करने में दिक्कत आ रही है। –शैलेन्द्र कुमार

पानी न आने से पूरा परिवार परेशान रहता है। खाना पकाने, बर्तन और कपड़े साफ करने के लिए भी जरूरत के मुताबिक पानी नहीं मिल पा रहा है। डिब्बों में पानी भरकर लाते हैं और किसी तरह काम चलाते हैं। –उर्मिला देवी

लगातार शिकायत के बाद भी जिम्मेदारों ने समस्या के प्रति गंभीरता नहीं दिखाई, अधिकारी समस्या को गंभीरता से लेते तो पन्द्रह दिन तक लोगों को परेशान न होना पड़ता, दो दिन में समस्या का निदान हो सकता था। –सुदर्शन सिंह

सुबह से बाल्टी–डिब्बा लेकर पानी के लिए निकलना मजबूरी बन गई है। बाहर से पानी ढोकर न लाएं तो घर का काम कैसे चले। सुबह से पूरा परिवार पानी के लिए परेशान रहता है। न जाने कब समाधान होगा। –गोपाल सिंह

पूरे वर्ष हम लोग पानी के लो प्रेशर की समस्या से परेशान रहते हैं लेकिन पिछले पन्द्रह दिनों से समस्या काफी जटिल हो गई है। पानी की आपूर्ति ठप पड़ी है, बाहर से पानी लाते हैं तब घर का काम चलता है। –रामजी प्रजापति

जिन घरों में सबमर्सिबल पंप लगा है वह लोग पानी न दें तो हमारे घरों के काम ठप हो जाएं। लोगों को पानी मुहैया कराना विभाग की जिम्मेदारी है। विभागीय उदासीनता का खामियाजा आम लोग भुगत रहे हैं। –शारदा प्रसाद

शर्मा पानी न आने से घर का काम नहीं हो पा रहा है, सुबह उठते ही पानी की जरूरत शुरू हो जाती है। नल से पानी न आने के कारण सुबह सब काम छोड़कर पानी के लिए निकलना पड़ता है। घर का काम निपटना मुश्किल हो गया है। –रेखा सिंह

पंद्रह दिनों से ठीक से पानी नहीं मिल पा रहा है। इलाके के लोग बूंद–बूंद पानी के लिए परेशान हैं। हम लोग न तो ठीक से नहा पा रहे हैं न घर का काम हो पा रहा है। खाना पकाने में भी दिक्कत आती है। –रूबी कुमारी

कई दिनों से लोग पानी न आने की शिकायत करते आ रहे हैं लेकिन समाधान तो दूर कोई जिम्मेदार यहां झांकने भी नहीं आया। गर्मी में पानी न मिलने से लोग परेशान हैं, कूलर की टंकी भी नही भर पाते। –अंजू शर्मा

पंद्रह दिन से अधिक हो गए घर के नल में पानी आए हुए। महिलाओं और बच्चों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। पानी के बगैर पूरे घर का सिस्टम बिगड़ गया है। सुबह से पानी की चिंता सताने लगती है। –मिथलेश शर्मा

पानी संकट की शिकायत स्थानीय जिम्मेदारों से करने के बाद भी समस्या का निदान नहीं हो पाया। अधिकारी और जनप्रतिनिधि जरा भी गंभीर होते तो यहां के लोगों को इतने दिनों तक पानी के लिए परेशान न होना पड़ता।–शिवम शर्मा

त्रिवेणी नगर के लोग पानी के लिए परेशान हैं। सुबह से पानी के लिए लोगों की दौड़–भाग शुरू हो जाती है। गर्मी में पानी न मिलने से लोगों का हाल बेहाल हो गया है। टैंकर भेजा जाय तो काफी राहत मिल सकती है।–अभिषेक शर्मा

पंद्रह दिन से अधिक हो गए नल में पानी आए हुए। लोग पानी के लिए परेशान हैं और जिम्मेदार सुन नहीं रहे हैं। समस्या का स्थायी निदान होने तक अगर पानी का टैंकर भेज दिया जाता तो समस्या इतनी गंभीर न होती।–दीपान्शु

बोले जिम्मेदार –– त्रिवेणी नगर में पेयजल संकट के बारे में संबंधित अधिकारियों से समस्या के कारणों का पता लगाकर शीघ्र समस्या का समाधान करा दिया जाएगा।– कुमार गौरव, महाप्रबंधक, जलकल

आंधी ने मचाई तबाही, पेड़ गिरने से तार-खंभे टूटे, जनजीवन प्रभावित

प्रयागराज। तेज आंधी से बुधवार रात पूरे शहर की बिजली गुल गई। रसूलाबाद में बिजली के तार–खंभों समेत कई जगहों पर पेड़ों की डालियां गिर गईं। इससे घंटों बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। बिजली कटौती से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

तेज आंधी से बुधवार रात पूरे शहर की बिजली गुल गई। रसूलाबाद में बिजली के तार–खंभों समेत कई जगहों पर पेड़ों की डालियां गिर गईं। इससे घंटों बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। बिजली कटौती से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कैंट, अटाला, तिरंगा चौराहा के पास पेड़ की डालियां तारों पर गिर गई। इससे दर्जनों घरों में बिजली आपूर्ति बाधित रही।

स्टैनली रोड कार पर पेड़ की डाल गिर गई। जिस कारण दर्जनों घरों में करीब आधे घंटे तक बिजली गुल रही। इसी तरह धूमनगंज में पेड़ की डाल बिजली तार पर गिरने से कई घरों में बिजली गुल हो गई। इसके अलावा रसूलाबाद में बिजली की तार टूटने से दर्जनों घरों की बिजली गुल हो गई। वहीं, शिवकुटी में तार टूटने से घंटों बिजली गुल रही। इसके अलावा नूरूल्ला रोड, काला दांदा, सुलेमसराय, बलुआ घाट, मीरापुर, हर्षवर्धन नगर, शीशमहल समेत अन्य जगहों पर तक बिजली प्रभावित रही। परेड ग्राउंड में कई छोटे बड़े पेड़ों की डालियां टूट गईं।

तेज हवा संग बारिश में बत्ती गुल, पेड़ की डालियों की जद में कारें

बुधवार की देर शाम को अचानक आसमान में छाए काले बादल तेज हवा के साथ जमकर बरसे। तेज हवा के साथ हुई मूसलाधार बारिश के कारण इलाके की बत्ती गुल हो गई। जबकि कई जगहों पर पेड़ों की डालियां उखड़ कर वाहनों पर गिर गईं। वहीं, जीटी रोड पर भी काफी देर तक यातायात ठप रहा। लोग भी घरों में दुबके रहे। बुधवार की रात तकरीबन 9रू30 बजे अचानक तेज हवाएं चलने लगीं। कुछ ही देर में तेज हवा के साथ ही मूसलाधार बारिश भी होने लगी। हवा इस कदर तेज थी कि कई जगहों पर घरों की कुर्सियां व अन्य घरेलू सामान उड़ गए। प्रयागराज–वाराणसी हाईवे मार्ग के किनारे लगे कई विशालकाय पेड़ की डालियां गिर गईं। हालांकि उन्हें हटा कर यातायात बहाल कराया गया।

नई और पुरानी झूंसी में पेड़ों के जद में आने से चार पहिया वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। आवास विकास कॉलोनी के साथ ही हवेलिया, छतनाग रोड, त्रिवेणीपुरम आदि इलाकों में बिजली गुल रही। बिजली के हाई टेंशन तार भी कई जगहों पर टूट कर लटक गए। इसकी वजह से झूंसी समेत पूरे गंगापार में देर रात तक अंधेरा पसरा रहा। सिविल लाइंस में एल्गिन रोड पर पेड़ धराशायी हो गया। इससे कई घंटे तक आवागमन प्रभावित रहा। लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

प्रयागराज–वाराणसी हाईवे पर शास्त्री पुल पर देर रात आंधी के दौरान एक ट्रक पलट गया। इससे काफी देर तक आवागमन ठप रहा। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह से आवागमन चालू कराया।

ब्लैक आउट में सायरन बजते ही अंधेरे में डूबा शहर, लगाए गए भारत माता की जय के नारे

प्रयागराज। मॉक ड्रिल के दौरान बुधवार शाम 7रू30 बजे सायरन बजते ही शहर के अधिकतर मोहल्ले करीब आधे घंटे तक अंधेरे में डूब गए। इसमें जानसेनगंज, चौक, सिविल लाइंस, कैंट समेत अन्य क्षेत्र शामिल रहे। मॉक ड्रिल के दौरान बुधवार शाम 7रू30 बजे सायरन बजते ही शहर के अधिकतर मोहल्ले करीब आधे घंटे तक अंधेरे में डूब गए। इसमें जानसेनगंज, चौक, सिविल लाइंस, कैंट समेत अन्य क्षेत्र शामिल रहे। दुश्मनों से निपटने को लेकर शासन ने प्रदेश में बुधवार शाम ब्लैकआउट घोषित किया था। इस दौरान सिविल लाइंस, तेलियरगंज, कैंट, कटरा, कर्नलगंज, बलुआ घाट, मीरापुर, हर्षवर्धन नगर, शीशमहल, हटिया, नूरउल्ला रोड, काला डांडा, सुलेमसराय, धूमनगंज, जॉर्ज टाउन, राजापुर, स्टेनली रोड, रामबाग, प्रीतम नगर समेत अन्य मोहल्लों में लोगों ने अपने–अपने घरों में लाइट बंद कर दी। साथ ही कई जगहों पर लोगों ने लाइटें बंद कर भारत माता की जय के नारे भी लगाए। विद्युत विभाग के मुख्य अभियंता राजेश कुमार ने बताया, विभाग की ओर से बिजली कटौती नहीं की गई थी। सोशल मीडिया एवं मोबाइल के स्टेटस पर भी सेना का शौर्य दिखा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद ज्यादातर लोगों ने स्टेटस बदल दिया। लोगों ने भारत की कार्रवाई से संबंधित वीडियो एवं बयान लगा रखे थे। मॉक ड्रिल एवं ब्लैक आउट को लेकर डीएम की ओर से जारी आदेश तथा एडवाइजरी भी खूब वायरल हुई। कई लोगों ने इसे भी स्टेटस के रूप में लगा रखा था।

यहां हुआ मॉक ड्रिल– राजकीय इंटर कॉलेज, सेंट मैरीज स्कूल एंड कॉलेज, सेंट जोसेफ कॉलेज, सेंट एंथोनी गर्ल्स इंटर कॉलेज, ब्वॉयज हाईस्कूल, गर्ल्स हाईस्कूल, महर्षि पतंजलि विद्या मंदिर, बीबीएस इंटर कॉलेज, बेथनी कान्वेंट स्कूल, टाटा पॉवर प्लांट शंकरगढ़, एनटीपीसी मेजा एवं आरएएफ फाफामऊ।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर हर तरफ उत्साह एवं जश्न का माहौल है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी बुधवार को खुशी जाहिर की। सिविल लाइंस में महर्षि दयानंद मार्ग स्थित शौर्य प्रतिमा के पास एकत्रित कार्यकर्ताओं ने सेना की इस साहस को नमन किया। नेताओं का कहना था कि इस कार्रवाई के माध्यम से भारत ने आतंकियों तथा आतंक को बढ़ावा देने वाले देशों को बड़ा संदेश दिया है। इस दौरान शहर अध्यक्ष फुजैल हाशमी, प्रदेश महासचिव मुकुंद तिवारी, हरिकेश त्रिपाठी, किशोर वार्ष्णेय, हसीब अहमद आदि मौजूद रहे। शहर के सभी प्रमुख इलाकों में ब्लैक आउट का असर देखा गया। संगम तट स्थित शंकर विमान मंडपम की लाइट भी ब्लैक आउट के दौरान बुझा ली गई थी।

सिक्सलेन पुल पर यातायात शुरू होने के बाद मरम्मत के लिए बंद होगा फाफामऊ पुल

प्रयागराज। करीब 50 वर्ष से अधिक पुराने हो चुके गंगा नदी पर स्थित चंद्रशेखर आजाद फाफामऊ पुल की स्थायी मरम्मत का काम, यातायात के लिए कोई बेहतर विकल्प न होने की वजह से एक साल के लिए टाल दिया गया है। करीब 50 वर्ष से अधिक पुराने हो चुके गंगा नदी पर स्थित चंद्रशेखर आजाद फाफामऊ पुल की स्थायी मरम्मत का काम, यातायात के लिए कोई बेहतर विकल्प न होने की वजह से एक साल के लिए टाल दिया गया है। अब गंगा नदी पर स्टेनली रोड से मलाक हरहर, फाफामऊ तक बन रहे सिक्सलेन पुल का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद ही इस पुल को मरम्मत के लिए बंद किया जाएगा। फिलहाल पुल पर अस्थायी तौर पर मरम्मत का काम किया जाएगा, ताकि प्रयागराज, लखनऊ, प्रतापगढ़ व सुल्तानपुर की तरफ से आने वाला यातायात प्रभावित न हो। लोक निर्माण विभाग की तरफ से फाफामऊ स्थित चंद्रशेखर आजाद पुल की मरम्मत का प्रस्ताव जिलाधिकारी की स्वीकृति के लिए भेजा गया था। इस पुल की मरम्मत के लिए गाजियाबाद की कार्यदायी संस्था को नामित किया गया था। मरम्मत का काम होली के बाद ही शुरू होना था। पुल के दो–तीन एक्सपेंशन ज्वाइंट आवाज कर रहे हैं। इन्हें समय–समय पर अस्थायी तौर पर ठीक किया जाता रहा है। लेकिन लोक निर्माण विभाग इस बार पुल की मरम्मत स्थायी तौर पर करवाना चाह रहा है।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने स्वामी ज्ञान भिक्षु महाराज को किया नमन

मोरना। तीर्थ नगरी शुकतीर्थ मे स्थित संत शिरोमणि सतगुरु रविदास सतगुरु समनदास महाराज आश्रम मे पहुंचे जिलापंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल ने बृहमलीन संत की समाधि पर नमन किया व आगामी विशाल सतसंग कार्यक्रम की जानकारी की। संत शिरोमणि सतगुरु रविदास सतगुरु समनदास महाराज आश्रम मे

आगामी 10 व 11 जून को 12 वें विशाल सतसंग का आयोजन किया जायेगा। गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी लाखोंअनुयायी सतसंग कार्यक्रम मे भाग लेगे। अगले माह आयोजित होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों जारी हैं। कार्यक्रम मे प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन की संभावना जाहिर की जा रही है। मुख्यमंत्री के आगमन की चर्चाओं से तीर्थ नगरी मे उत्साह का माहौल है। वहीं आश्रम मे पहुंचे जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल ने ब्रह्मलीन संत सतगुरु स्वामी ज्ञान भिक्षु महाराज व सत गुरु समनदास महाराज को नमन किया। तथा कार्यक्रम के बारे मे जानकारी की। आश्रम के सेवक संदीपदास ने बताया की आगामी 10 जून को विशाल शोभायात्रा का आयोजन किया जायेगा रात्रि मे सतसंग होगा। व 11 जून को विशाल भंडारे का आयोजन होगा। कार्यक्रम मे लाखों श्रद्धालू भाग लेगे। जिसकी तैयारियां जारी हैं। इस दौरान भाजपा सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक राम कुमार शर्मा,महिपाल राठी, प्रदीप निर्वाल, शुभम शर्मा आदि रहे।

वर्ल्ड टेक्नोलॉजी दिवस पर प्रतियोगिता का आयोजन

मुजफ्फरनगर। वर्ल्ड टेक्नोलॉजी दिवस पर, बी.टेक प्रथम वर्ष विभाग ने अपनी टेक्नोलॉजी जागरूकता कार्यक्रम के तहत एक प्रस्तुति प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की शुरुआत एक पवित्र दीप प्रज्ज्वलन समारोह के साथ हुई, जिसमें निदेशक डॉ. धीरेंद्र कुमार द्विवेदी, बी.टेक प्रथम वर्ष की प्रमुख मिस अर्जू मलिक, और विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष

उपस्थित थे। कार्यक्रम का आगाज़ मिस रियांशि देशवाल के एक मनमोहक नृत्य प्रदर्शन के साथ हुआ, जिसमें भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया गया। 20 से अधिक छात्रों ने पाइथन, एआई, कैनवा और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों पर अपनी प्रस्तुतियाँ दीं। निर्णायक मंडल, जिसमें डॉ. शिल्पी सिंह और मिस्टर नीरज गुप्ता शामिल थे, ने मिस गुंजन श्रीवास्तव, मिस्टर पृथु वत्स और मिस ऋषिका को शीर्ष तीन विजेताओं के रूप में घोषित किया। कार्यक्रम का समन्वय मिस शिवानी अग्रवाल ने बखूबी किया। कार्यक्रम में सभी प्रथम वर्ष के फैकल्टी सदस्य उपस्थित थे। अंत में, बी.टेक प्रथम वर्ष की प्रमुख मिस आरजू मलिक ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

इसरो की यात्रा मेरे जीवन के सबसे प्रेरणादायक क्षण

मुजफ्फरनगर। इसरो की यात्रा मेरे जीवन के सबसे प्रेरणादायक और अविस्मरणीय क्षणों में से एक थी। हम इस अविश्वसनीय यात्रा का हिस्सा बनकर बेहद गर्व और आभारी महसूस करती हूं, जिसने न केवल मेरे ज्ञान को बढ़ाया बल्कि एक व्यक्ति के रूप में मुझे विकसित होने में भी मदद की। मुझे इस्कॉन द्वारा आयोजित मूल्य शिक्षा प्रतियोगिता में भाग लेने के बाद इसरो जाने का यह अद्भुत अवसर मिला। प्रतियोगिता ने हमें ईमानदारी, करुणा और दृढ़ संकल्प जैसे महत्वपूर्ण मूल्यों पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया – ये गुण व्यक्तिगत और शैक्षणिक सफलता दोनों के लिए आवश्यक हैं।

मुझे इसरो के अध्यक्ष डॉ. एस.पी. सोमनाथ द्वारा सम्मानित किए जाने पर बहुत गर्व हुआ, जिनकी अंतरिक्ष विज्ञान में

उपलब्धियाँ एक सच्ची प्रेरणा हैं। मुझे इस्कॉन के डॉ. शुभ विलास प्रभु से मिलने का भी सौभाग्य मिला, जिनके मूल्य शिक्षा और चरित्र विकास के बारे में शब्दों ने मेरे दिल को छू लिया। उन्होंने हमें याद दिलाया कि सफलता केवल ज्ञान से नहीं, बल्कि आंतरिक शक्ति और मूल्यों से भी मिलती है।

यात्रा का सबसे रोमांचक हिस्सा कर्नाटक के बयालू में भारतीय डीप स्पेस नेटवर्क (पैछ) का दौरा करना था। वहाँ, पैत्व के वैज्ञानिक श्री बी. शंकर मदस्वामी ने हमें चंद्रयान–3 के मिशन के बारे में बताया। उन्होंने हमें रॉकेट, लैंडर और सैटेलाइट का मॉडल दिखाया, जिससे हमारी सीख जीवंत हो गई। यह यात्रा सिर्फ़ एक अकादमिक यात्रा नहीं थी – यह एक जीवन का सबक था। इसने मुझे विज्ञान को आध्यात्मिकता के साथ जोड़ने के महत्व को दिखाया, और कैसे मूल्य–आधारित शिक्षा हमें सितारों को लक्ष्य बनाते हुए जमीन पर बने रहने में मदद करती है। हमें यह जीवन में एक बार मिलने वाला अवसर देने के लिए हमारे स्कूल और इस्कॉन को धन्यवाद!

मोक्षदा जल धारा के पुनरोद्धार हेतु ग्राम पंचायतों की संयुक्त बैठक सम्पन्न

– बरसात से पूर्व तथा बरसात के दौरान जल धारा से जुड़ी कार्ययोजना तय
– जरूरी खुदाई व पौध रोपण की योजना को दिया गया अन्तिम रूप

प्रतापगढ। मोक्षदा जल धारा के पुनरोद्धार हेतु ग्राम पंचायतों की संयुक्त बैठक सम्पन्न हो हुई। बैठक में विकास खण्ड मंगरौरा के सूर्यगढ नरहरपुर व औरंगाबाद तथा सडवा चन्द्रिका ब्लाक के कमास ग्राम पंचायत के प्रधान तथा पंचायत कर्मियों ने गहन चर्चा व विचार विमर्श करके बरसात के दौरान तथा बरसात से पूर्व संचालित की जाने वाली कार्य योजना को अन्तिम रूप दिया गया। धारा की आवश्यकतानुसार जरूरी खुदाई तथा उसके किनारे किनारे पौध रोपण की योजना को अन्तिम रूप दिया गया। लोकपाल मनरेगा प्रतापगढ समाज शेखर प्राण की अध्यक्षता में मंगरौरा तथा सडवा चन्द्रिका ब्लाक के सम्बन्धित ग्राम पंचायतों की संयुक्त बैठक आंवला नगरी गोडे में स्थित जी पी एस स्कूल में हुई। बैठक के प्रारम्भ में इतिहासकार प्रो0 बृजभानु सिंह ने मोक्षदा की महत्ता को रेखांकित करते हुए सभी का स्वागत किया और जलधारा के प्रबन्धन व संरक्षण के कार्य को आवश्यक बताया। वहीं शिक्षाविद् राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने जल धारा की प्राचीनता का बखान किया। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख कार्यकर्ता कार्तिकेय द्विवेदी ने कहा की इस जीवनदाई कार्य में स्थानीय समाज के युवा व आम नागरिक भी हर सम्भव सहयोग हेतु तत्पर रहेगें। तदोपरान्त लोकपाल समाज शेखर ने गत दिनों सम्बन्धित ग्राम पंचायतों द्वारा मोक्षदा जल धारा के सम्बन्ध में ग्राम सभा की बैठकों में तय कार्ययोजना के विषय में चर्चा की। तय हुआ कि बरसात से पूर्व कमास ग्राम में 1930 मीटर, सूर्यगढ में 500 मीटर, औरंगाबाद में 350 मीटर तथा नरहरपुर में 200 मीटर खुदाई कार्य मनरेगा मजदूरों द्वारा कराया जायेगा। वहीं बरसात के दौरान सभी ग्राम पंचायतों ने धारा के किनारे सार्वजनिक भूमि पर आवश्यकतानुसार पर्याप्त पौध रोपण का निर्णय लिया। अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा मंगरौरा मोहम्द अनीश खान तथा सडवा चन्द्रिका गिरीशपाल ने सभी सम्बन्धित ग्राम पंचायतों को आस्वस्त किया कि इस पुनीत कार्य में हर स्तर पर हर सम्भव सहयोग प्राप्त होगा। जल्द ही यह कार्य स्वीकृत कराके कराए जायेगें। लोक भारती संस्था के जिला संयोजक दिनेश शर्मा ने जल धारा के किनारे हरिशंकरी तथा पंच पल्लव पौध रोपण की महत्ता पर बल दिया। बैठक का संचालन मोक्षदा विकास समिति के संयोजक श्लोक मिश्र तथा धन्यवाद ज्ञापन लोक भारती के कार्यक्रम समन्वयक सागर मिश्र ने किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से प्रसिद्ध गौरक्षक दुगेश तिवारी, प्रधान कमास राम बरन मौर्य, प्रधान औरंगाबाद संजय यादव, प्रधान प्रतिनिधि नरहरपुर ज्ञान सिंह, प्रधान सूर्यगढ गोविन्द तिवारी सहित तकनीकी सहायक संतोष सिंह, विजय कुमार व सचिव उत्तम पटेल सहित समस्त ग्रामों के पंचायत तथा मनरेगा कर्मी शामिल थे।

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर जिला अस्पताल में फिजियोथेरेपी सेंटर का शुभारंभ

मुजफ्फरनगर। रेडक्रास दिवस के अवसर पर रेड क्रॉस भवन में एक शानदार समारोह आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील तेवतिया, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर संजय वर्मा सहित अनेक आधिकारिगण एवं गणमान्य व्यक्ति व रेड क्रॉस सोसाइटी के आजीवन सदस्य उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन करते हुए रेड क्रॉस संचालन समिति के चेयरमैन डॉ अशोक अरोड़ा ने बताया कि विश्व स्तर पर रेड क्रॉस की स्थापना वर्ष 1862 में हुई थी और इसके जनक हैं सर हेनरी डोनेट जी जिन्होंने पहला शांति पुरस्कार प्राप्त किया था। भारत में संसद द्वारा पारित अधिनियम के अंतर्गत पूरे देश में यह संस्था कार्यरत है संसार के 163 देश इसके सदस्य हैं। उन्होंने बताया कि मुजफ्फरनगर जनपद में भी इस समय लगभग 250 आजीवन सदस्य हैं जिनकी संख्या बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी की रेड क्रॉस के माध्यम से शीघ्र ही जनपद में ऑक्सीजन बैंक की भी स्थापना होगी इस अवसर पर लाभार्थियों एवं सदस्यों को संबोधित करते हुए

सीएमओ डॉक्टर सुनील तेवतिया ने कहा कि आगामी कुछ दिनों में रेड क्रॉस सोसाइटी के गठन का कार्य पूर्ण कर सभी को परिचय पत्र आदि दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि रेड क्रॉस की स्वास्थ्य जगत में बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका है। खास तौर पर जब देश या विदेश में युद्ध के बादल मंडरा रहे हो और ऐसे में घायल सैनिकों की मदद के लिए रेड क्रॉस ही सर्वोत्तम माध्यम है। सीएमओ ने आम जनमानस से इस कार्य में सहयोग देने की अपील की। उन्होंने रेडक्रॉस भवन में फिजियोथैरेपी सैन्टर का शुभारम्भ करते हुए कहा कि इसकी सेवाएं आम जनमानस के लिए निःशुल्क रहेगी। इसके अतिरिक्त संस्था के वाइस चेयरमैन डॉ राजीव कुमार ने भी अपने–अपने विचार प्रकट किये। रोहिताश वर्मा ने भी रेड क्रॉस सोसाइटी के संचालन के संदर्भ में बहु उपयोगी सुझाव प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में महिलाओं को स्वच्छता किट प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के अलावा विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉक्टर सुभाष चंद्र शर्मा, सभासद अमित पटपटिया, उद्योगपति नीलकमलपुरी, डॉक्टर विवेक, मणि पटपटिया, ईश जुनेजा, डॉक्टर शिवांश, डॉक्टर विभांशु, डॉक्टर संजय अग्रवाल के अलावा शिवराज सिंह, दीन बहादुर आदि उपस्थित रहे। इसके अलावा डॉक्टर एस.के.जैन, डा. मुकेश भी कार्यक्रम में उपस्थित हुए। रेड क्रॉस बैठक में जानकारी दी गई कि आज सवेरे के समय जिलाधिकारी आवास पर स्वास्थ्य सेवाओं की एक आवश्यक बैठक हुई जो देश की वर्तमान परिस्थितियों के संदर्भ में आयोजित की गई। इसमें मुख्य चिकित्सा अधिकारी के अलावा स्वास्थ्य विभाग के अनेक अधिकारियों ने भाग लिया स्वास्थ्य एवं जिला सूचना अधिकारी डॉक्टर गीतांजलि वर्मा ने की। कार्यक्रम के समापन पर सभी का आभार व्यक्त किया।

चर्चित गुल सनव्वर की सड़क हादसे में मौत

कुख्यात बदमाश जमशेद सीकरी का बड़ा भाई था गुलसनव्वर

फिरोजाबाद जेल से मुज़फ्फरनगर न्यायालय लाते हुए हादसा

मोरना। दो दर्जन से अधिक आपराधिक घटनाओ का आरोपी व हत्या के मामले मे सजायाफ्ता मुजरिम गुल सनव्वर की अलीगढ़ जनपद मे हुए सड़क हादसे मे मौत हो गयी। गुलसनव्वर क्षेत्र के गांव सीकरी निवासी था।और पूर्व प्रधान चर्चित बदमाश जमशेद का भाई था। गुल सनववर मौत से परिवार मे शोक की लहर दौड़ गयी है। भोपा थाना क्षेत्र के गांव सीकरी निवासी गुलसनववर 55वर्ष की सड़क हादसे मे मौत हो गयी।प्राप्त जानकारी के अनुसार गुलसनववर को गुरुवार की सुबह सवेरे फिरोजाबाद जेल से मुज़फ्फरनगर पेशी के लिए जा रहा था। सुबह लगभग आठ बजे जैसे ही पुलिस वैन अलीगढ़ जनपद के गांव चिकावटी के पास खेरेश्वर चौराहे से आगे खडे कंटेनर से टकरा गयी। पुलिस द्वारा घायल हुए पांच पुलिस कर्मियों व गुलसनववर को वैन से बाहर निकाला गया जहां गुलसनववर सहित तीन पुलिस कर्मियों बलवीर सिंह, रघुवीर सिंह व वैन चालक चन्द्रभान की मौत हो गयी। गुल सनववर की मौत की सूचना मिलते ही परिवार मे शोक की लहर दौड़ गयी। मृतक गुल सनववर के परिवार मे माता मुरसलीना पत्नी हशरुबा व पुत्र अरबाब पुत्री गुड़िया, अफशा, मुस्कान, शीबा, सबा, बुशरा हैं।

भोपा थाना के हिस्ट्री शीटर बदमाश गुलसनववर चर्चित बदमाश व पूर्व प्रधान जमशेद का बड़ा भाई है। गुलसनववर के पिता चर्चित रहे इशरत अली की 1978 मे मृत्यु हो गयी थी। परिवार मे सबसे बड़े गुलसनववर थे जिसके बाद जमशेद, नौशाद व दिलशाद है। चारो भाई 15 अक्टूबर 2015 मे तस्लीम की हत्या के मामले मे आजीवन कारावास व एक दिन पूर्व 14 अक्टूबर को गांव के ही खालिद उर्फ़ भूरा पर जानलेवा हमले मे सजा याफ्ता मुल्ज़िम हैं।

मृतक गुल सनववर पर जनपद के भोपा थाना सहित ककरौली, पुरकाजी थाना कोतवाली मुज़फ्फरनगर मे 26 अपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। गांव सीकरी मे अक्टूबर 2015 मे हुई तस्लीम हत्याकांड के बाद सीकरी के पूर्व प्रधान अम्मार की 22 अगस्त 2017 मे मुज़फ्फरनगर के अंसारी मार्ग पर हुई हत्या को लेकर चारो भाई चर्चाओं मे बने रहे हैं।

होनहार छात्रा को गणमान्य द्वारा किया गया सम्मानित

मोरना। कस्बा भोकरहेड़ी की होनहार छात्रा निहाँ सालेह सिद्दीकी को शिक्षा व समान्य ज्ञान प्रतियोगिता मे उच्च प्रतिभा का प्रदर्शन कर कस्बे का नाम रोशन करने पर गणमान्य व्यक्तियों द्वारा बधाई दी गयी व उपहार देकर उत्साहवर्धन किया गया। कस्बा भोकरहेड़ी

के मोहल्ला काजियान निवासी निहां सालेह सिद्दीकी को कस्बे के पूर्व चौयरमैन व वर्तमान सभासद राजेश कुमार सहरावत व चौयरमैन प्रतिनिधि सचिन कुमार वामन द्वारा सम्मानित किया गया।निहां सिद्दीकी इंटर कॉलिज भोकरहेड़ी की विज्ञान वर्ग की छात्रा हैं। निहां सिद्दीकी ने नवी कक्षा को 82 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर परीक्षा उत्तीर्ण की है व भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा मे प्रथम स्थान प्राप्त किया है। कॉलिज द्वारा छात्रा निहां सिद्दीकी को जहां मैडल व सर्टिफिकेट प्रदान किये गये हैं। वहीं कस्बे के गणमान्य व्यक्तियों ने भी बुधवार को छात्रा का सम्मान कर उत्साहवर्धन किया है। राजेश कुमार सहरावत ने कहा की कस्बे की प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन कर उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाने मे सहयोग की भावना को लेकर छात्रा का सम्मान किया गया है। सचिन वामन ने कहा की कस्बे की चौयरमैन सरला देवी वामन बालिका शिक्षा के विकास को लेकर प्रयासरत हैं। प्रतिभावान छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन करने के कार्यक्रम जारी रहेंगे। इस दौरान समाजसेवी जयवीर सिंह, सपा कार्यकर्ता काजी अफजल ने भी छात्रा का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर मौ. आकिल,नौशाद आलम,काजी अमजद अली, विपिन पंवार, गय्यूर मलिक आदि मौजूद रहे।

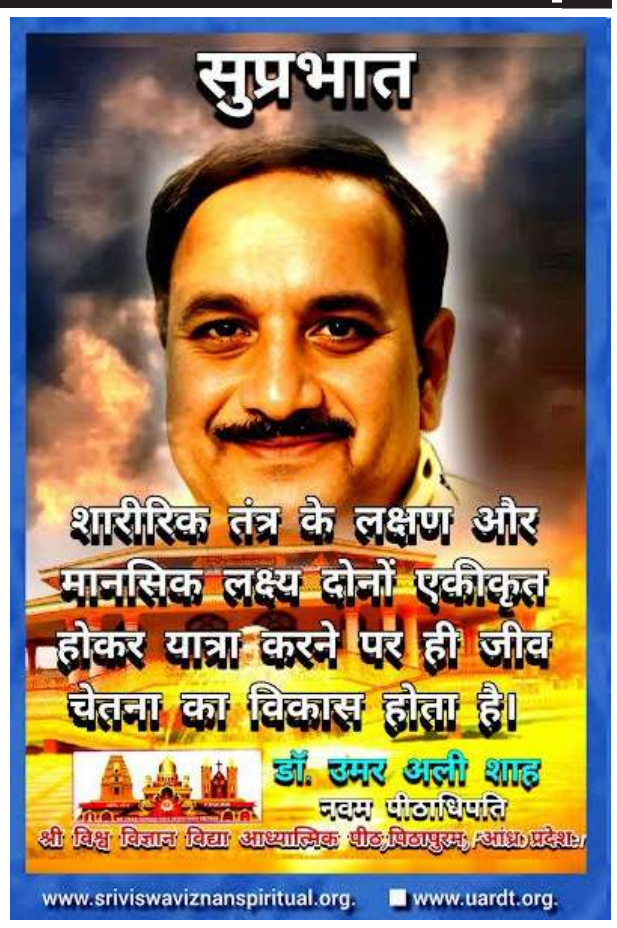

महिमा...

(कुण्डलिया)

छोटे हों या हों बड़े, निर्धन या धनवान।
महिमा गुरु की है बड़ी,रखिए हरदम ध्यान।
रखिए हरदम ध्यान, बनो मत खुद अति ज्ञानी।
आदर के ही साथ, उन्हें दो दाना–पानी।
कहते सदा प्रदीप,न होते हैं गुरु खोटे।
अंतस में भर ज्ञान, बनें रहते हैं छोटे।।

हँसती गाती जिन्दगी, जिन्दादिल इन्सान।
पूरी एक किताब है,जीवन का विज्ञान।
जीवन का विज्ञान,मोक्ष की बातें करके।
करिए सबकुछ दान,कर्म को ऊपर रखके।
कहते आज प्रदीप, उम्र दिन–प्रतिदिन ढलती।
लेकिन भय से मुक्त, हमेशा सहती हँसती।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

स्थापना दिवस समारोह आयोजित

प्रतापगढ़।उत्तर प्रदेश उत्तराखंड मेडिकल ऐंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव्स एसोसिएशन (न्ब्ङैत।)के 43वें स्थापना दिवस पर जिला अस्पताल प्रतापगढ़ के पास एक बैठक कर 1982 मे बनाए गए संगठन के नियम नीतियों व कर्त्तव्यों और संवैधानिक अधिकारों की चर्चा की गई और संगठन की सक्रियता और अन्य गतिविधियों

पर जोर देने की रणनीति बनी इसके पश्चात बीमार और तीमारदारों में ठंडे पानी की बोतलें बांटी गई। बैठक की अध्यक्षता कॉमरेड विकल पांडेय ने एवं संचालन कॉमरेड बीरपाल सिंह ने किया तथा कार्यक्रम के उद्घाटन मे साथी राज कुमार तिवारी,के पी सिंह ,राकेश शर्मा ,इंदु मिश्रा,अंबिका द्विवेदी ने सक्रिय भूमिका के साथ प्रतिभाग किया इस कार्यक्रम में यूनियन ऑफिस में कॉमरेड आशुतोष,अतुल,राहुल, दीपक,राजीव,रफीक दशरथ, विजयकांत, विनय ओझा,पंकज,रवि, सौरभ, एवम अन्य कई साथियों की उपस्थिति में केक काटकर न्ब्ङैत। का स्थापना दिवस मनाया गया।

दुकान में लगी आग से हजारों का नुकसान

मोरना। क्षेत्र के गांव मजलिसपुर तौफीर में किरयाना की दुकान में आग लग गई। ग्रामीणों द्वारा आग को शांत किया गया।आग लगने से ग्रामीण का हजारों का नुक़सान हो गया।पीड़ित ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। भोपा थाना क्षेत्र के गांव मजलिसपुर तोफीर निवासी पुरण सिंह ने जानकारी देकर बताया कि वह गांव मे ही किरयाना की दुकान चलाकर परिवार की गुज़र बसर करता है।बुधवार की रात्रि वह दुकान को बंद कर गया था की कुछ देर

बाद ग्रामीणों ने दुकान से धुँवा उठता देखा तो पूरण को सूचना दी।ग्रामीणों की सहायता कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। पूरण ने बताया की आग मे जलकर सारा सामान खराब हो गया। जिससे उसे बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ है। पूरण ने आग लगने की घटना को संदिग्ध बताते हुए कहा की आग स्वयं लगी है अथवा लगाई गयी है यह स्पष्ट नहीं है। पीड़ित ने घटना की जांच कराने सहित प्रशासन से आर्थिक मदद की गुहार लगाई है।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं0: 1420252026 दिनांक: 07.05.2025

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्यों के लिये ई-निविदाएँ प्रपत्र पर दिनांक 29.05.2025 को 13.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा नं.: 46	अनुमानित मूल्य (रू.): ₹ 18,48,627.87
कार्य का विवरण: सहायक मण्डल अभियन्ता/द्वितीय कानपुर के तहत कानपुर स्टेशन के यार्ड में एक वर्ष के लिए ड्रेनेज पम्प की व्यवस्था का कार्य।	
बयाने की रकम (रू) : ₹ 37,000.00	कार्य समापन की अवधि : 12 माह
निविदा खुलने की तिथि : 29.05.2025	
इलिजिबिलिटी क्राइटेरिया के अन्तर्गत सिमिलर कार्य: निल	

नोट:- (1) आन लाइन निविदा दिनांक 29.05.2025 को 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। (2) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 13:30 बजे टेण्डर खुलने की तिथि 29.05.2025 तक उपलब्ध है। 796/25(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

युद्ध के कगार पर

इसमें दो राय नहीं कि जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में चुन–चुनकर मारे गए 26 लोगों की मौत ने पूरे देश के अंतर्मन को झकझोरा है। साथ ही इस घटनाक्रम से उपजे आक्रोश ने सरकार पर आतंकियों व उनके आकाओं को सबक सिखाने का दबाब भी बनाया है। जिसके चलते दोनों देशों की तरफ से तल्ख बयानबाजी का जो दौर शुरू हुआ, वो थमने का नाम नहीं ले रहा है। जिसने दोनों देशों के संबंधों को निचले स्तर तक पहुंचा दिया है। जवाबी कार्रवाई के दबाव में स्थितियां खतरनाक स्थिति की तरफ बढ़ गई है। दोनों देशों की सीमाओं में तनाव तेजी से बढ़ रहा है। तीखी बयानबाजी के बीच सैन्य ताकत को बढ़ाने के दावे किए जा रहे हैं। लगातार चिंताजनक होती स्थिति के बीच संयुक्त राष्ट्र संघ की तरफ से बयान आया है। दोनों पक्षों को अधिकतम संयम बरतने की सलाह दी गई है। साथ ही कहा गया है कि तनाव का स्तर कम करने की कोशिश की जाए। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का हस्तक्षेप और सुरक्षा परिषद के बंद कमरे में हुआ सलाह–मशविरा अंतर्राष्ट्रीय जगत की चिंता को ही रेखांकित करता है। निस्संदेह, संयुक्त राष्ट्र महासचिव की चेतावनी महज कूटनीतिक बयानबाजी नहीं है। निश्चित रूप से यह परमाणु हथियारों से लैस दो पड़ोसियों के बीच संघर्ष को टालने की महत्वपूर्ण कोशिश है। हालांकि, पाकिस्तान ने इस मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में ले जाकर भारत के खिलाफ माहौल बनाने का उपक्रम किया था। लेकिन वैश्विक मूड हस्तक्षेप के बजाय तनाव कम करने पर केंद्रित नजर आया। इसमें दो राय नहीं कि अब तक भारत की ओर संयमित प्रतिक्रिया ने स्थिति को और बिगड़ने से रोकने में मदद ही की है। हालांकि, दंडात्मक कार्रवाई के लिये देश के भीतर बढ़ती मांग ने दिल्ली पर सैन्य विकल्पों पर विचार करने का दबाव जरूर डाला है। हालांकि देश के दीर्घकालीन हितों के मद्देनजर कूटनीतिक प्रयासों से समस्या के समाधान की कोशिश की जानी चाहिए। लेकिन इस हकीकत को नजरअंदाज नहीं किया जाता कि आंतरिक दबाव के चलते यदि सैन्य विकल्पों को प्राथमिकता दी जाती है, तो कालांतर इससे क्षेत्र में व्यापक संघर्ष की शुरुआत हो सकती है। यह भी एक हकीकत है कि ऐसे मौके पर जब आतंकवादियों के क्रूर हमले में मारे गए लोगों के परिवार शोकाकुल हैं और जनता आक्रोशित है, संयम का आह्वान किसी को रास नहीं आएगा। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि बड़े पैमाने पर संघर्ष को बढ़ावा देना कल्पना से अधिक तबाही ला सकता है। एक सैन्य टकराव न केवल इस उपमहाद्वीप को अपनी गिरफ्त में ले सकता है, बल्कि दशकों तक इस क्षेत्र को अस्थिर भी बनाये रख सकता है। विगत का अनुभव हमें याद कराता है कि भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले युद्ध से न केवल जन–धन की व्यापक क्षति होती है बल्कि साथ में कूटनीतिक अलगाव और आर्थिक झटके भी मिलते हैं। इन हालात में यह जरूरी है कि दोनों देश बैक चौनल के जरिये कूटनीतिक प्रयास करें तथा विश्वास निर्माण के उपायों के लिए फिर से प्रतिबद्धता दिखाएं। वैश्विक समुदायों, खासकर संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका व चीन जैसे प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों को बयानों से आगे बढ़कर तनाव को बढ़ने से रोकने के लिये सक्रिय रूप से मध्यस्थता करनी चाहिए। हमें यह याद रखना चाहिए कि कश्मीर का सैन्य समाधान अतार्किक ही कहा जाएगा। एकमात्र वास्तविक समाधान निरंतर बातचीत में निहित है। दरअसल, आज अशांति के मूल कारणों को संबोधित करने की जरूरत है। पहली जरूरत इस बात की है कि शांति को नुकसान पहुंचाने वाले आतंकी नेटवर्क को नेस्तनाबूद किया जाए। इतिहास गवाह है कि युद्ध शांति का विकल्प कभी नहीं हो सकता। वहीं दूसरी ओर पड़ोसी कितना भी बुरा क्यों न हो भौगोलिक रूप से हम उसे बदल नहीं सकते।

मॉक ड्रिल : संयम और साहस दिखाने का समय

डॉ. दीपक पाचपोर

सोमवार को जब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री कार्यालय पहुंचे तो सरकार समर्थक मीडिया में इसे देश के मोर्चे पर एक कदम आगे जाना कहा गया।

देश में आखिरी बार लगभग साढ़े पांच दशक पहले यानी 1971 में हुई भारत–पाकिस्तान जंग के दौरान बचाव के सायरन सुनाई दिये थे। उसके बाद अब एक बार फिर से यह नौबत आई है। पहलगाम (कश्मीर) के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल बैसरन में 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने 26 सैलानियों और एक स्थानीय गाइड की हत्या कर दी थी। इसके कारण देश भर में पाकिस्तान के प्रति नाराजगी है क्योंकि माना जा रहा है कि दहशतगर्द पाकिस्तानी जमीन से आये थे। जिस आतंकी संगठन ने इस कार्रवाई का जिम्मा अपने सिर पर लिया है उनको पहले से ही पाकिस्तानी सरकार, वहां की सेना और खुफिया एजेंसी आईएसआई द्वारा पोषित समझा जाता है। सरकार भी पाकिस्तान को मजा चखाने पर आमादा है तथा देश भी चाहता है कि सरकार कड़े कदम उठाये। इसे लेकर सर्वदलीय बैठक में देश के सभी प्रमुख विपक्षी दलों ने सरकार के साथ अपनी एकजुटता दिखाई है। यह अलग बात है कि बैठक में स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अनुपस्थित थे। सऊदी अरब का दौरा बीच में छोड़कर मोदी के लौटने से अपेक्षा थी कि सरकार तत्काल कोई कार्रवाई करेगी। इसके विपरीत मोदी लौटकर बिहार में रैली को सम्बोधित करने चले गये, लेकिन वहां से उन्होंने ऐलान किया कि कायराना करतूत करने वालों को ऐसा कड़ा सबक सिखाया जाएगा जो अब तक नहीं देखा गया था। बाद में मोदी की रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर तथा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ हुई बैठकों ने भी आस बंधाई थी कि लोगों का खून व्यर्थ नहीं जायेगा। सोमवार को जब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री कार्यालय पहुंचे तो सरकार समर्थक मीडिया में इसे देश के मोर्चे पर एक कदम आगे जाना कहा गया। हालांकि अब माना जा रहा है कि मोदी के साथ राहुल की यह बैठक केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के नये प्रमुख के चयन को लेकर थी। यहां यह सब बतलाने का तात्पर्य यह है कि देश इस उम्मीद में है कि आतंकियों एवं पाकिस्तान के खिलाफ भारत तत्काल और कठोर कार्रवाई करे। ऐसे में सोमवार को गृह मंत्रालय की ओर से एक परिपत्र जारी हुआ है जिसमें सभी 28 राज्यों के लगभग 250 जिलों के चयनित शहरों एवं 8 केन्द्र शासित प्रदेशों में मॉक ड्रिल करने का निर्देश दिया गया है। इसका उद्देश्य जनसामान्य को हवाई हमलों से बचाव का अभ्यास कराना है। बड़े पैमाने पर होने वाली मॉक ड्रिल यह संदेश भी देती है कि देश और उसकी जनता शारीरिक तथा मानसिक दोनों ही स्तरों पर लड़ाई का सामना करने के लिये तैयार है। यह सरकार की भी तैयारी को दर्शाता है जो एक तरफ आक्रमण के लिये खुद को तैयार कर रही है तो वहीं दूसरी ओर अपने नागरिकों के बचाव के प्रति भी चिंतित है। आशा की जानी चाहिये कि जिन शहरों में युद्धाभ्यास होगा, वहां के नागरिक गम्भीरतापूर्वक इसमें हिस्सा लेंगे। श्रेणीवार तीन तरह के शहरों को इसके लिये चयनित किया गया है लेकिन इस प्रदर्शन से उन शहरों के लोग भी लाभान्वित होंगे जिनका मॉक ड्रिल के लिये इस बार चयन नहीं किया गया है। आखिरकार युद्ध में कोई नहीं कह सकता कि दुश्मन किस शहर को अपने निशाने पर लेगा। 1971 में भी ऐसी सावधानी बरती गयी थी जब जम्मू–कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, पश्चिम बंगाल राज्यों के अनेक सीमावर्ती जिलों के कई शहरों में लोगों को ब्लैकआऊट में रहने का अभ्यास कराया गया था। इससे दहशत खत्म हुई थी तथा बतौर नागरिक लोगों ने भारत–पाक युद्ध का सामना बहादुरी से किया था। अब बुधवार को होने वाले मॉक ड्रिल में ब्लैक आऊट होगा, सायरन बजेंगे तथा लोगों द्वारा खुद की सुरक्षा का अभ्यास होगा। उन्हें आपातकालीन शेल्टरों में जाने का प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशासन को वेबसाइटों तथा सोशल मिडिया पर नजर रखने के लिये कहा गया है। इस दौरान फोटोग्राफी, वीडियो आदि बनाने व उन्हें सोशल मीडिया पर अपलोड करने से बचना होगा। वैसे गृह मंत्रालय ने कहा है कि लोगों में दहशत न हो इसके लिये जरूरी है कि वे इसके बारे में पहले से जानें। बुधवार की शाम को देश भर में एक साथ बजने वाले सायरन को लोगों को प्रतिसाद देना होगा क्योंकि यह जो कुछ भी कवायद हो रही है वह नागरिकों की सुरक्षा के लिये ही है। इसे गम्भीरता से लेना होगा। शत्रु देश की ओर से एयर स्ट्राइक होने पर सायरन के संकेतों को समझना और उसके अनुरूप व्यवहार करना होगा। इस दौरान कोई भी प्रकाश न हो तथा चयनित शहरों में पूरी तरह से अंधकार रहे। इसका उद्देश्य शत्रु के लड़ाकू विमानों की नजरों से खुद को बचाना होता है। इस दौरान खिड़की–दरवाजों को पूरी तरह से बन्द रखा जाये तथा टॉर्च, नगदी, प्राथमिक उपचार की व्यवस्था कर रखी जाये। टीवी, रेडियो या मोबाइल से प्रशासन द्वारा दिये जाने वाले निर्देशों को जानते रहना जरूरी है।शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के नेता संजय राऊत ने भी कहा है कि देश को 1971 के मॉक ड्रिल का अनुभव है। सरकार यदि यह करती है तो देश इसके लिये तैयार है। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने देशवासियों से अपील की है कि वे मॉक ड्रिल में हिस्सा लें। बुधवार के इस नागरिक अभ्यास से संदेश जायेगा कि देश तैयार है। लेकिन इस बड़ी तैयारी के साथ यह ध्यान रखने की आवश्यकता है कि युद्ध के नाम पर अनावश्यक उन्माद न फैले, न ही इस पर कोई सनसनी कायम की जाए। यह समय संयम और साहस का परिचय देने का है।

कौन चाहता है युद्ध और क्या हासिल होगा उससे

अनिल जैन

महाभारत के शांतिपर्व में कहा गया है–न युद्धात् परमं किंचिद् युद्धं सर्वं न संनादति। युद्धेन संनादति सर्वं तस्माद् युद्धं परित्यजेत।।

(युद्ध से बढ़कर कोई आपदा नहींय युद्ध सब कुछ नष्ट कर देता है। इसलिए युद्ध का परित्याग करना चाहिए)। भारत में जब कभी भी पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकवादी जमात की ओर से कोई बड़ा हमला होता है और उसमें बड़ी संख्या में लोग मारे जाते हैं तो मीडिया और सोशल मीडिया में युद्ध के ढोल–नगाड़े बजने लगते हैं। इस समय भी यही हो रहा है। पिछले महीने की 22 तारीख को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर पूरा देश क्षुब्ध और उद्वेलित है। चूंकि हमले की जिम्मेदारी लश्कर–ए–तैयबा से जुड़े द रसिस्टेंस फ्रंट ने ली है, जिसे पाकिस्तानी सेना और वहां की खुफिया एजेंसी आईएसआई से खाद–पानी मिलता है। पहलगाम हमले में जो लोग मारे गए हैं, वे सभी मध्यमवर्गीय परिवारों के होंगे। उनमें किसी ने अपना बेटा तो किसी ने पति, किसी ने अपना भाई और किसी ने पिता को खोया है। उन सभी के दर्दनाक तरीके से मारे जाने पर उनके परिवारजनों का दुख और गुस्सा जायज है और उसमें पूरे देश का शामिल होना भी लाजिमी है। फिर भी कॉरपोरेट घरानों से नियंत्रित टीआरपी–पिपासु टीवी चौनल भारतीय जन–मन के क्षोभ, शोक और आक्रोश का निर्लज्जता के साथ व्यापार कर रहे हैं। जिस दिन पहलगाम में हमला हुआ उस दिन से आज तक दिल्ली और मुंबई स्थित टीवी चौनलों पर तीतर–बटेर छाप बहसों में रक्षा विशेषज्ञों के तौर पर शामिल रक्षा तथा विदेश मंत्रालय, सेना एवं खुफिया सेवाओं के पूर्व अफसर जनाक्रोश को युद्धोन्माद में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। टीवी चौनलों के मूर्ख एंकर–एंकरनियां भी वीर बालकों की मुद्रा में उनके सुर में सुर मिला रही हैं। युद्धोन्माद पैदा करने के लिए इन टीवी चौनलों ने चंद पैसों पर आसानी से उपलब्ध हो जाने वाले पाकिस्तान के भी कुछ नेताओं, पूर्व नौकरशाहों, पूर्व सैन्य अफसरों को हायर कर रखा है। ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है। दरअसल ये श्रक्षा विशेषज्ञ किसी भी आतंकवादी हमले के बाद टीवी चौनलों के वातानुकूलित स्टूडियो में बैठकर पाकिस्तान को युद्ध के जरिये सबक सिखाने का सुझाव देते हैं और साथ ही यह रुदन भी कर डालते हैं कि भारतीय सेना के पास संसाधनों का अभाव है। अपनी ऐसी बातों से यह लोग आम लोगों पर यही प्रभाव छोड़ने की कोशिश करते हैं कि वे बहुत बहादुर और देशभक्त हैं, लेकिन बात इतनी सीधी नहीं है। दरअसल यह मामला उच्च तकनीक वाले हथियारों के अंतरराष्ट्रीय कारोबार से जुड़ा है। भारत हथियारों का बहुत बड़ा खरीदार है, लिहाजा हथियार बनाने वाली कई विदेशी कंपनियों के हित भारत से जुड़े हैं। भारतीय सेना, सुरक्षा एजेंसियों, विदेश सेवा और रक्षा महकमे के कई पूर्व अफसर इन कंपनियों के परोक्ष मददगार होते हैं। यह कंपनियां ऐसे लोगों को उनके रिटायरमेंट के बाद अनौपचारिक तौर पर अपना सलाहकार नियुक्त कर लेती हैं। ये लोग इन कंपनियों के हथियारों की बिक्री के लिए तरह–तरह से माहौल बनाने का काम करते हैं। देश में युद्धोन्माद पैदा करना और सेना में संसाधनों का अभाव बताना भी उनके इसी उपक्रम का हिस्सा है। कहने की आवश्यकता नहीं कि इन लोगों को इस काम के लिए हथियार कंपनियों से अच्छा खासा श्पारिश्रमिकश मिलता है। तो देशभक्ति के नाम यह इनका अपना व्यापार है जो इन दिनों जोरों पर चल रहा है। युद्ध का माहौल बनाने में जुटे कुछ टीवी चौनलों ने तो यह भी बता दिया है कि दोनों देशों के बीच युद्ध में अगर परमाणु युद्ध हथियारों का इस्तेमाल होता है तो पाकिस्तान का नुकसान ज्यादा होगा, वह तबाह हो जाएगा, दक्षिण एशिया का भूगोल बदल जाएगा आदि–आदि। कुछ चौनल सुझा रहे हैं कि भारत युद्ध न भी करें तो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में घुसकर आतंकवादियों के शिविर नष्ट कर दे। हालांकि भारत की ओर से ऐसी कार्रवाइयां पिछले 27 वर्षों में 11 बार हो चुकी हैं, जिनमें से दो बार तो मोदी सरकार के दौर में ही हुई हैं, तो भी पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान और उसके द्वारा पोषित आतंकवादियों के मनसूबों पर इसका कोई असर नहीं हुआ है। भारतीय सत्ता प्रतिष्ठान का यह मुगालता पुराना है कि अमेरिका भारत का दोस्त है। इससे भी बड़ा मुगालता मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनाल्ड ट्रंप उनके व्यक्तिगत दोस्त है। हमारे कॉरपोरेट घरानों, कॉरपोरेट पोषित मीडिया और देश के उच्च मध्यम वर्ग के मन में भी अमेरिका के प्रति अगाध श्रद्धा है। ऐसे सभी लोगों के लिए क्या यह सूचना महत्वपूर्ण नहीं है कि अमेरिका ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा तो की है, लेकिन राष्ट्रपति ट्रम्प ने साथ में यह भी कहा है कि भारत और पाकिस्तान दोनों ही उनके करीबी हैं और दोनों खुद ही इस मसले को हल कर लेंगे। जाहिर है कि अमेरिका ने खुद को इस मामले से अलग रखने का इरादा जता दिया है। इसकी वजह यह है कि हथियार खरीदी के मामले में पाकिस्तान भी अमेरिका का कोई छोटा ग्राहक नहीं है। इसके अलावा कई मौकों पर पाकिस्तानी सैन्य अड्डों का इस्तेमाल भी वह करता रहा है। जहां तक चीन का सवाल है, उसके तो और भी ज्यादा हित पाकिस्तान के साथ जुड़े हुए हैं। उसने भी पहलगाम हमले की निंदा तो की है लेकिन पाकिस्तान को अपना मजबूत दोस्त और रणनीतिक भागीदार भी बताकर स्पष्ट कर दिया है कि युद्ध जैसी स्थिति में वह क्या करेगा। रूस की प्रतिक्रिया भी भारत के लिए आश्वस्तकारी नहीं है। तुर्की, ईरान, सऊदी अरब सहित कई मुस्लिम देश तो खुल कर पाकिस्तान के साथ हैं। यहां तक कि भारत के छोटे–छोटे पड़ोसी देश भी इस मामले में भारत से दूरी बनाए हुए हैं। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत–पाकिस्तान युद्ध की स्थिति में कौन किसके साथ रहेगा! कुल मिलाकर युद्ध हमारे लिए बुरी तरह घाटे का सौदा साबित होगा। पाकिस्तान भले ही हमारी तरह परमाणु शक्ति संपन्न है लेकिन वह निहायत ही उद्दण्ड और गैरजिम्मेदार मुल्क भी है।

जब शूरवीर महाराणा प्रताप लड़े

जब शूरवीर महाराणा प्रताप लड़े ,
रण रण में जब जब लड़े,राणा के भय से शत्रु डरे
क्षण क्षण में कटे,शत्रु के सर धर धर से हटे।
भाला था चट्टान सा,खंडा उनका तूफान सा
जब जब चले बिजली सी गिरे,मुगलिया सेना डर से पीछे हटे।
थर थर कापे अकबर,जब चेतक उनका हिनहिना उठे।
बहलोल खान को घोड़ा सहित दो टुकड़े में चीर पड़े।
शत्रुओं की रक्त गिरे इतना कलकल रण गंगा बह पड़े।
हुंकारे जब शेर सा ,हल्दी घाटी की धरती भी कांपे उठे।
जब शूरवीर महाराणा प्रताप लड़े ,जब शूरवीर महाराणा प्रताप लड़े।

रुद्र प्रताप चतुर्वेदी
सेवटा आजमगढ़(उ.प्र)
+917506464405

जातिवार जनगणना से जुड़ी अपार संभावनाएं

अरविन्द मोहन

पहलगाम कांड के बाद प्रधानमंत्री और संघ प्रमुख की बैठक हुई तो मुल्क बड़े फैसले की उम्मीद कर रहा था। फैसला बड़ा तो हुआ लेकिन पहलगाम के दोषियों को सख्त सजा देने का नहीं। यह कुछ नया ही विषय ऊपर ले आया और इसके चलते यह आरोप भी लगाने लगे कि प्रधानमात्री उस मामले में कुछ करने से बचना चाहते हैं और बढ़ते जनमत का ध्यान दूसरी तरफ मोड़ने के लिए उन्होंने जातिगत जनगणना का फैसला कर लिया। यह संयोग हो सकता है लेकिन यह फैसला इतना हल्का नहीं है। समाज और राजनीति के लिहाज से इसके दूरगामी परिणाम होंगे। चौंकाने और चालाकी का शक करने की एक और वजह संघ और भाजपा का पिछला रिकार्ड है जो आरक्षण की राजनीति, जातिगत जनगणना और हिन्दू समाज में श्भेदश के खिलाफ रहा है। लेकिन कहना होगा कि जब जागो तब सबेरा और यह बहुत बड़ा फैसला ही नहीं है, इसमें काफी सारी विसंगतियों को दूर करने का अवसर भी है। सबसे बड़ी विसंगति तो ओबीसी की संख्या जाने बगैर उसको आरक्षण देना है और सुप्रीम कोर्ट द्वारा पचास फीसदी की सीमा लगाना है जबकि हर अनुमान पिछड़ों–दलित और आदिवासियों की संख्या का अनुपात ज्यादा मानता है। साथ ही मौजूदा समाज में जाति के साथ पिछड़ेपन के और आधार हैं लेकिन उनको चलताऊ मान लिया गया है। कहीं महिलाओं तो कहीं विकलांगों को दो–एक प्रतिशत आरक्षण जैसे समाधान की कोशिश की गई है। परिणाम है कि रोज नए समूह आरक्षण की मांग लेकर मैदान में डटे रहते हैं। इनमें सबसे ज्यादा तो वे किसान जातियां हैं जो आज भी खेती के मैदान में डटी हैं और उनकी खेती की आमदनी उद्योग, व्यापार और कथित सेवा क्षेत्र की तुलना में पिछड़ती जा रही है। जाट, मराठा, पटेल जैसी जातियां कभी आरक्षण को ठुकरा चुकी थीं लेकिन बदले हालात में उनका आंदोलन सबसे उग्र होता है। दूसरा अध्याय खुद को ओबीसी से अनुसूचित जाति या जनजाति वर्ग में डालने का है। रेडी, लिंगायत, विक्कलिगा और नायर जैसी जातियां क्रीमी लेयर के फार्मूले के खिलाफ लगी रहती हैं। अल्पसंख्यक जमातों को आरक्षण के दायरे में लाना, महिलाओं को आरक्षण देना, निजी क्षेत्र में आरक्षण देना और फौज तथा पुलिस में आरक्षण की मांग भी उठती रहती है। खैर मनाइए कि देसी भाषाओं से पढ़े बच्चों, गरीब और ग्रामीण समाज के वंचित बच्चों की तरफ से अभी तक जोरदार आवाज नहीं उठी है। इसलिए यह कहना एकदम उचित है कि जब समाज के हर वर्ग की संख्या और स्थिति का एक साथ व्यापक आंकड़ा आ जाएगा तो सारी वंचनाओं को मिटाने की तरफ कदम बढ़ाने वाली आरक्षणधविशेष अवसर की व्यवस्था लाई जा सकती है। इसलिए यह हिसाब छोड़िए कि यह फैसला क्यों हुआ और यह पहलगाम से ध्यान भटकाने के लिए हुआ, बिहार के आगामी चुनाव के लिए हुआ, कांग्रेस और विपक्ष के दबाव से हुआ या भाजपा को इसका श्रेय उसी तरह मिलेगा जैसा वी पी सिंह को मिला। शायद वह दौर बीत चुका है और लोग यह भी भूल गए हैं कि भाजपा ने आरक्षण के मुद्दे पर ही बिहार में कर्पूरी ठाकुर और केंद्र में वी पी सिंह सरकार गिरा दी है। इतना बड़ा फैसला लेने का श्रेय नरेंद्र मोदी को दिया जाना चाहिए। और यह उम्मीद छोड़ देनी चाहिए कि इस बार भी मण्डल जैसा तूफान उठेगा या सारी राजनीति तथा संसद और विधान सभाओं का सामाजिक चरित्र बदल जाएगा। वोट भी एकदम से किसी एक तरफ जाए अब इसकी संभावना भी कम लगती है। जो हो सकता है वह बहुत बड़ा है। इसमें सबकी जाति को गिनना, समझना और उसका वर्गीकरण करना एक जटिल काम है और जब जातिवार जनगणना होती थी और फिर रोकी गई तब ये सारे फैक्टर थे। जाति गिनने वालों को भी वर्गीकरण और जातियों की संख्या या प्रकृति समझने में दिक्कत हुई लेकिन सबसे ज्यादा दिक्कत निम्न जातियों द्वारा खुद को ऊंचा बताने के दावों को मानने न मानने की हुई। अब आरक्षण का लाभ जुड़ा है तो इस बार खुद को छोटी जाति का या अंत्यज बताने की होड़ होगी। चुनावी राजनीति में संख्या बल का महत्व होने से छोटी–छोटी जातियों का एक नाम के तहत जुटान भी संभव होगा। पर अगर एक साफ और सभी तरह की वंचनाओं को समेटने वाली व्यवस्था बने, जिसमें जातिगत भेदभाव का वेटेज(वजन) सबसे ज्यादा रखा जाए, तो न सिर्फ सर्वस्वीकृत आरक्षण व्यवस्था कायम होगी बल्कि इसमें कथित क्रीमी लेयर के भी स्वतरू छंटते जाने का काम होता जाएगा। कभी जेएनयू के नामांकन में सौ अंकों का बीस फीसदी हिस्सा विभिन्न तरह की वंचनाओं के लिए अलग–अलग वेटेज के आधार पर तय होता था। इसमें जाति, आर्थिक स्थिति, लड़का–लड़की, गांव–शहर और अंग्रेजी स्कूल की पढ़ाई हुई या नहीं, इस आधार पर अलग–अलग अंक थे। जाति और आर्थिक स्थिति में भी कई श्रेणियां और उनके हिसाब से अंक थे। पर कुल विशेष अंक की सीमा बीस ही थी। अगर कोई लड़की बाकी कोई अंक नहीं पाती तो उनको जेंडर के दो या तीन विशेष अंक तो मिल जाते थे। गांव से आया सवर्ण और अच्छी आय वाले बच्चों को भी अंग्रेजी न जानने के नुकसान की भरपाई के दो या तीन अंक मिल जाते थे। दलित और आदिवासी को ज्यादा विशेष नंबर थे लेकिन ओबीसी समूह को भी ठीक ठाक विशेष अंक मिलते थे। जिसके परिवार की कमाई बढ़ी, शहरी हुआ, अंग्रेजी पढ़ाई शुरू हुई तो वह खुद ब खुद क्रीमी लेयर के ऊपर हों जाता था जिसमें दलित–आदिवासी भी हो सकते थे और ओबीसी भी। और इसी के चलते वहां के छात्र समुदाय का चरित्र एकदम अलग बना। उनका अकादमिक प्रदर्शन कैसा हुआ यह बताने की जरूरत नहीं है। जनगणना में सामाजिक स्थिति जानने के दसियों आंकड़े इकठ्ठे किए जाते हैं। 2011 की जनगणना में तो जातियों का पता करने के साथ खेती–बाड़ी, मकान, दूकान, चारपहिया–दो पहिया, रंगीन टीवी, मोबाइल जैसी सारी सूचनाएं इकठ्ठा की गई थीं जिनमें कुछ जारी हुए कुछ दबा लिए गए। इस बार तो अज्ञात कारणों से जनगणना ही रोककर रखी गई है और जातिवार जनगणना ही नहीं महिलाओं का आरक्षण और संसदीय सीटों का पुनर्गठन भी आगे के लिए टाला गया है। गृह मंत्री का दावा है कि अगली जनगणना में बहुत व्यापक सूचनाएं जुटाई जाएंगी। सो जातिगत वंचना या जेंडर की स्थिति के साथ ही दूसरी वंचनाओं का हिसाब लगाना आसान होगा। फिर इस बीच लंबी चर्चाओं से जानकार लोगों से पिछड़ेपन के मानकों और वेटेज का एक सर्वमान्य फार्मूला भी तय कर लिया जाए। इसमे जन्मानुगत वंचनाओं का वेटेज ज्यादा होना चाहिए। पर खेतिहर समाज, मजदूरी वाले वर्ग, ग्रामीण और आदिवासी समाज की तकलीफों का भी महत्व समझना होगा। और जब कुल हिसाब होगा तो सचमुच में वही जमात सामने आएगा जिसे विशेष अवसर की जरूरत है।

सिंदूर हो गया अब ऑपरेशन सुहागरात.. पाकिस्तानी यूजर के घटिया कमेंट देख खौला टीवी की गोपी बहू का खून, कहा- कलमा पढ़िए

> गोपी बहू ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर ट्वीट किया था जिसपर एक पाकिस्तानी तिलमिलाते हुए लिखता है-सिंदूर तो हो गया अब ऑपरेशन सुहागरात का इंतजार करो। इसके जवाब में देवोलीना ने लिखा-फिलहाल सुहागरात के बारे में मत सोचिए मोमिन मिया, कलमा पढ़िए।

भारत ने पहलगाम हमले का बदला ले लिया है। बीती रात भारतीय सेना ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकी ठिकानों को तबाह किया। सेना ने 9 आतंकी ठिकानों को मिसाइल अटैक में निशाना बनाया। भारतीय सेना ने इस बदले की कार्रवाई का नाम आपरेशन सिंदूर रखा। यह नाम क्यों रखा इसका कारण बेहद ही भावुक कर देने वाला है। दरअसल, सिंदूर एक महिला के लिए बहुत मायने रखता है। यह उसके सुहाग की निशानी है। पहलगाम में जिस तरह से विवाहित महिलाओं के सिंदूर को उजाड़ा गया, यह उसका करारा जवाब है। वहीं अब इस ऑपरेशन सिंदूर पर एक पाकिस्तान यूजर्स ने ऐसी बात लिखी जिसे देख टीवी की गोपी बहू यानि देवोलीना भट्टाचार्जी का खून खोल उठा। टीवी की गोपी बहू ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर ट्वीट किया था जिसपर एक पाकिस्तानी तिलमिलाते हुए लिखता है–सिंदूर तो हो गया अब ऑपरेशन सुहागरात का इंतजार करो। इसके जवाब में देवोलीना ने लिखा–फिलहाल सुहागरात के बारे में मत सोचिए मोमिन मिया, कलमा पढ़िए। फिर वो पाकिस्तानी कुछ ऐसा लिख देता है जिसपर एक्ट्रेस गुस्से से लाल हो गईं। उसने लिखा–हम तो कलमा पढ़ लेंगे, तुम पाकिस्तानियों के साथ हनीमून की तैयारी करो। इसपर देवोलीना ने ऐसा जवाब दिया जिसे वो कभी भूलेगा नहीं। एक्ट्रेस ने लिखा–लगता है अम्मी जान से काफी ट्रेनिंग मिली है। गौरतलब है कि पाकिस्तान पर इस एयर स्ट्राइक के बाद भारत के रक्षा मंत्रालय की तरफ से एक प्रेस रिलीज जारी की गई थी। इसमें यह बताया गया है कि यह ऑपरेशन केवल आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने के लिए किया गया है। इसका उद्देश्य पाकिस्तान के साथ युद्ध को बढ़ावा देना नहीं है।

अंशुला कपूर ने दादी के लिए लिखा प्यारा नोट, बोलीं- उन्होंने सिखाया प्यार का सबसे अच्छा तरीका

बोनी कपूर की बेटी अंशुला कपूर ने बताया कि वह अपनी दादी निर्मल कपूर को मिस कर रही हैं। अंशुला ने दिवंगत दादी के लिए प्यारा नोट शेयर करते हुए यह भी बताया कि उन्होंने ही सिखाया कि प्यार का सबसे अच्छा तरीका क्या है। अंशुला ने कैप्शन में लिखा, "दादी के लिए, अगर आप उन्हें जानते हैं, तो यह पता होगा कि उनकी प्रेम की भाषा लोगों को खिलाना था और वह इसे खास तरीके से कहती थीं। उन्होंने हमें एक साथ रखा, उन्होंने हमें बहुत कुछ सिखाया। जब तक उनका शरीर उन्हें अनुमति देता रहा, तब तक उन्होंने हमें संभाला।" अंशुला ने आगे कहा, "दादू की बहुत याद आती है और अब मुझे उम्मीद है कि दोनों ऊपर एक–दूसरे को पा चुके होंगे। उन्होंने मुझे सिखाया कि किसी से प्यार करने का सबसे अच्छा तरीका उसे दिल से खिलाना है और मुझे लगता है कि यह वह सीख है, जिसे मैं जीवन भर अपने साथ संभालकर रखूंगी। लव यू दादी।" इससे पहले अनिल कपूर ने मां के लिए इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, "जीवन के हर क्षेत्र से मिल रहा प्यार अभिभूत करने वाला है। मेरे पास यह बताने के लिए शब्द नहीं हैं कि हम कितने आभारी हैं। अनिल कपूर ने आगे लिखा, "मेरी मां ने कई लोगों की जिंदगी पर असर डाला। उन्होंने अपने परिवार को खूब प्यार और लगाव के साथ सींचा, पालन–पोषण, समर्थन और प्यार किया। वह उन मजबूत महिलाओं में से एक थीं, जो कभी सुर्खियों में नहीं रहीं, लेकिन जिनकी ताकत ने सभी को एक साथ बांध ो रखा। वह परिवार की एक मजबूत और शांत स्तंभ थीं। वह हमेशा खुश रहतीं और हमेशा सभी की परवाह करने वाली थीं। उनके आस–पास रहने से एक अलग तरह की एनर्जी, उत्साह का आभास होता था। वह एक गोंद की तरह थीं, जिसने अपने परिवार, बच्चों, पोते–पोतियों और दोस्तों तक को बांधे रखा। वह हमेशा दूसरों पर प्यार लुटाती रहती थीं। वह हम सबके दिलों में हमेशा जिंदा रहेंगी।

मुस्लिम होने के नाते अली गोनी को घर मिलने में आई दिक्कत, खुलासा कर बोले एक्टर-50 बिल्डिंग्स गिनवा दूंगा, जिन्होंने बोला कि हम..

देश में हमेशा से हिंदू–मुस्लिम पर बात–विवाद होता रहा है। हाल ही में जम्मू के पहलगाम में आतंकी हमला भी हिंदू–मुस्लिम देखकर ही किया गया। हालांकि, इस हमले के बाद लोगों का मुस्लिमों पर गुस्सा और भी भड़क गया है। इसी बीच टीवी एक्टर अली गोनी ने अपना दर्द बयां किया है और बताया कि कश्मीरी और मुस्लिम होने के नाते उन्हें भेदभाव का सामना करना पड़ चुका है। हाल ही में एक पॉडकास्ट में अली ने बताया है कि उन्हें मुस्लिम होने के कारण घर ढूंढने में भी काफी दिक्कत आई। हाल ही में इनकंट्रोवर्शियल पॉडकास्ट में पहुंचे अली गोनी ने बताया कि इंडस्ट्री में तो कभी ये नहीं हुआ, लेकिन घर ढूंढने में मेरे साथ भेदभाव हुआ। बहुत ज्यादा, आज भी होता है। अभी भी मैं और जैस्मिन घर ढूंढ रहे थे, तो मैं आपको 50 बिल्डिंग्स गिनवा दूंगा, जिन्होंने बोला कि हम मुस्लिमों को घर नहीं देते।अली ने आगे कहा, मैंने देखा है कि जितने मना करने वाले थे, वो बूढ़े ही थे। या 50–60 के थे। ज्यादा से ज्यादा 5–10 साल जीने वाले हैं वो। उसके बाद या जलकर राख हो जाएंगे या कब्र में दफन हो जाएंगे। तो क्या करेंगे उस बिल्डिंग का। अली गोनी ने इस दौरान ये भी खुलासा किया कि वो गर्लफ्रेंड जैस्मिन भसीन के साथ लिव–इन में रहने वाले हैं। उन्होंने मुंबई में घर ढूंढ लिया है। हालांकि उनका शादी का अभी कोई प्लान नहीं है। हालांकि अली गोनी ही नहीं कई सेलेब्स को मुस्लिम होने के नाते मुंबई में घर न मिलने की दिक्कत आई। कुछ समय पहले एक्ट्रेस उर्फी जावेद और बिग बॉस 18 का हिस्सा रहीं यामिनी मल्होत्रा ने भी बताया था कि उन्हें मुंबई में घर ढूंढने में दिक्कत हो रही है। इनके अलावा एक्ट्रेस चारू असोपा, आकांक्षा जुनेजा, बिग बॉस फेम शहजादी और शिरीन मिर्जा ने भी इस तरह की परेशानी का सामना कर चुकी हैं।

करण जौहर ने अचानक वजन घटने पर चुप्पी तोड़ी, जीलतवपक में उतार-चढ़ाव का किया जिक्र

कई महीनों से, फिल्म निर्माता करण जौहर के बड़े पैमाने पर शारीरिक परिवर्तन का श्रेय ओज़ेम्पिक को दिया जाता रहा है, जो एक मधुमेह की दवा है जिसके साइड इफ़ेक्ट में भारी वजन कम होना शामिल है। हाल के महीनों में कई बॉलीवुड हस्तियों ने अपने शरीर में बदलाव का अनुभव किया है, लेकिन उनमें से किसी ने भी कभी ओज़ेम्पिक का इस्तेमाल करने की बात स्वीकार नहीं की है। एक साक्षात्कार में, करण जौहर ने दवा लेने से इनकार किया और कहा कि अगर वह वास्तव में इसका इस्तेमाल कर रहे होते तो वे इससे पैसे कमाने का कोई तरीका खोज लेते। करण ने अपने आहार के बारे में खुलकर बात की और कहा कि वह हमेशा बॉडी डिस्मॉर्फिया नामक बीमारी से पीड़ित रहे हैं। प्रसिद्ध फिल्म निर्माता और निर्माता करण जौहर ने हाल ही में राज शमनी के लोकप्रिय ल्वनज्नइम पॉडकास्ट फ़िगरिंग आउट के एक एपिसोड के दौरान अपने वजन घटाने के विवाद पर अपनी कहानी साझा की। इस खुलकर बातचीत में, जौहर ने अपने सामने आने वाली भावनात्मक और शारीरिक चुनौतियों और अपने स्वास्थ्य परिवर्तन के पीछे जीवनशैली में आए बदलावों के बारे में बात की। करण ने खुलासा किया कि एक बड़ा मोड़ तब आया जब उन्हें लंबे समय से अज्ञात थायरॉइड की समस्या का पता चला। उन्होंने बताया, श्वास्तव में थायरॉइड में उतार–चढ़ाव था, जिसके बारे में मैं विस्तार से नहीं बताऊंगा... लेकिन मुझे उस स्तर को नियंत्रित करने के लिए कुछ लेना पड़ा।श उन्हें नहीं पता था कि वे लगभग 15–20 वर्षों से इस बीमारी से पीड़ित थे, बावजूद इसके कि उन्होंने अपने वजन को नियंत्रित करने के लिए कई संघर्ष किए। करन ने अपने लिए कारगर दिनचर्या खोजने से पहले वेदम आयुर्वेद और स्वास्थ्य स्पा सहित कई तरह के चिकित्सा उपचार आजमाने पर भी चर्चा की। एक बार जब उनका थायरॉइड स्तर स्थिर हो गया, तो करन ने व्ड।क (एक दिन में एक भोजन) पद्धति का पालन करना शुरू कर दिया। शुरुआती सात दिन कठिन थे; उन्होंने सात महीने तक इस दिनचर्या को अपनाया, प्रतिदिन शाम 7 से 8 बजे के बीच एक बार भोजन किया। इस अवधि के दौरान उनके आहार में ग्लूटेन, लैक्टोज या चीनी नहीं थी।

5 साल के लिए अजय देवगन ने किराए पर दिया ऑफिस, हर महीने कमाएंगे 5.47 लाख

> जी हां, अजय देवगन ने मुंबई के अंधेरी में 5 साल के लिए लीज पर दिया है। यह 2,545 स्क्वायर फुट में फैला है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस ऑफिस को किराए पर देने के बाद अजय देवगन को हर महीने 5.47 लाख किराया मिलेगा। ऑफिस का किराया हर तीन साल में बढ़ेगा। अजय देवगन का यह ऑफिस अंधेरी वेस्ट की सिग्नेचर बाय लोटस नाम की कमर्शियल बिल्डिंग में है।

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन उन स्टार्स में से हैं जो फिल्मों के साथ–साथ एड्स और प्रोपर्टीज के जरिए भी पैसे कमाते हैं। इस समय भी जहां एक तरफ अजय देवगन की फिल्म श्रेड 2श बॉक्स ऑफिस पर कमाई कर रही है। वहीं दूसरी तरफ एक्टर ने अपना एक ऑफिस किराए पर दे दिया है जिससे उन्हें हर महीने लाखों की कमाई होगी। जी हां, अजय देवगन ने मुंबई के अंधेरी में 5 साल के लिए लीज पर दिया है। यह 2,545 स्क्वायर फुट में फैला है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस ऑफिस को किराए पर देने के बाद अजय देवगन को हर महीने 5.47 लाख किराया मिलेगा। ऑफिस का किराया हर तीन साल में बढ़ेगा। अजय देवगन का यह ऑफिस अंधेरी वेस्ट की सिग्नेचर बाय लोटस नाम की कमर्शियल बिल्डिंग में है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस डील की मार्च 2025 में रजिस्ट्री की गई। इसे मई 2025 से अप्रैल 20230 तक के लिए लीज पर दिया गया है। पहले तीन साल इस ऑफिस का किराया 5.47 लाख प्रति महीना रहेगा। इसके बाद बचे दो सालों के लिए यह बढ़कर 6.29 लाख प्रति महिला हो जाएगा। इस हिसाब से देखा जाए तो अजय देवगन अपने इस ऑफिस को किराए पर देने के बाद पांच साल के अंदर 3.3 करोड़ की कमाई करेंगे। अजय देवगन ने अप्रैल 2023 में एक ही बिल्डिंग में तीन ऑफिस यूनिट खरीदी थीं, जिनकी कीमत 30.35 करोड़ रुपये थी। अजय देवगन की मुंबई में कई प्रॉपर्टी हैं जिनसे उन्हें करोड़ों की कमाई होती है। साल 2024 में भी एक्टर ने अपना एक ऑफिस स्पेस किराए पर दिया था। सिग्नेचर टावर में स्थित इस ऑफिस को डायरेक्टर कबीर खान ने अजय देवगन से 7 लाख महीने किराए पर लिया था। इसके अलावा उनका एक और घर है शिवशक्ति, जिसमें वह फिलहाल परिवार के साथ रहते हैं। इसकी कीमत 40 करोड़ बताई जाती है। इसके अलावा लंदन पार्क लेन में उनकी 54 करोड़ की प्रॉपर्टी है। कर्जत में 28 एकड़ कृषि जमीन और 6 सीटर प्राइवेट जेट है। फाइनेंशियल एक्सप्रेस के मुताबिक, उनकी नेट वर्थ 427 करोड़बताई जाती है।

एजिंग स्किन की केयर कर सकती है सौंफ, बस इन तरीकों से करें इस्तेमाल

सौंफ को डाइजेशन के लिए काफी अच्छा माना जाता है। लेकिन बहुत कम लोगों को इस बात की जानकारी है कि सौंफ आपकी स्किन के लिए भी उतनी ही फायेदमंद है। खासतौर से, सौंफ आपकी स्किन को लंबे समय तक यंगर बनाए रखने में मददगार है। दरअसल, सौंफ में एंटी–ऑक्सीडेंट्स, विटामिन सी और कई ज़रूरी मिनरल्स पाए जाते हैं, जो फ्री रेडिकल्स से लड़ते हैं, जो स्किन की झुर्रियों, ढीलापन और बेजानपन के पीछे का बड़ा कारण होते हैं। यही वजह है कि अपनी स्किन को टाइटन करने से लेकर उसके टेक्सचर को बेहतर बनाने और स्किन के नेचुरल ग्लो को बढ़ाने में सौंफ मददगार साबित हो सकती है। यह अपनी स्किन का ख्याल रखने का एक नेचुरल और बजट फ्रेंडली तरीका है। इतना ही नहीं, आप इसे अपने स्किन केयर रूटीन में कई अलग–अलग तरीकों से शामिल भी कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि एजिंग स्किन की देखभाल के लिए आप सौंफ को किस तरह इस्तेमाल कर सकते हैं–

सौंफ टोनर स्प्रे

यह एक नेचुरल एंटी–एजिंग टोनर की तरह काम करता है। सौंफ के बीज में फ्लेवोनॉयड्स और विटामिन सी होते हैं, जो स्किन को टाइटन करने, फाइन लाइन्स को कम करने और स्किन की रंगत को एकसमान बनाने में मदद करते हैं।

कैसे इस्तेमाल करें

1 चम्मच सौंफ के बीज को 1 कप गर्म पानी में 30 मिनट तक भिगोकर रखें। फिर छानकर इसे स्प्रे बोतल में भरकर फ्रिज में रखें। इसे चेहरे पर ताजगी देने वाले मिस्ट या टोनर के रूप में इस्तेमाल करें।

सौंफ और दही से बनाएं फेस पैक

सौंफ फ्री रेडिकल्स से लड़ने के साथ–साथ कोलेजन को बढ़ाता है, जबकि दही स्किन को हाइड्रेट करती है और लैक्टिक एसिड की मदद से हल्के से एक्सफोलिएट करता है। यह मिश्रण स्किन को ताजगी और चमक देता है।

कैसे इस्तेमाल करें

1 चम्मच सौंफ के बीज को पीसकर पाउडर बना लें। इसे 1 चम्मच दही के साथ मिला लें और चेहरे पर लगाएं। 15–20 मिनट तक लगा रहने दें और फिर धो लें।

सौंफ से बनाएं स्क्रब

यह स्क्रब डेड स्किन सेल्स को हटाने और ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाने में मदद करता है। जिसकी वजह से आपकी स्किन ज्यादा चमकदार और जवां दिखने लगती है। सौंफ के एंटी–एजिंग गुण समय के साथ उम्र के धब्बों को कम करने में मदद करते हैं।

कैसे इस्तेमाल करें

एक चम्मच सौंफ के बीज को मोटे तौर पर पीसकर शहद या एलोवेरा जेल में मिला लें और इसे एक हल्के स्क्रब के रूप में हफ्ते में एक बार इस्तेमाल करें।

पथरी को जड़ से खत्म कर सकता है ये 500 साल पुराना आयुर्वेदिक नुस्खा, बस रोजाना पिएं ये खास ड्रिंक

आजकल की अनियमित जीवनशैली और खान–पान के कारण किडनी स्टोन, जिसे आम भाषा में पथरी कहा जाता है, एक बहुत ही सामान्य लेकिन दर्दनाक बीमारी बनती जा रही है। यह समस्या तब होती है जब हमारे यूरिन (मूत्र) में मिनरल और सॉल्ट की मात्रा जरूरत से ज्यादा हो जाती है। इनकी अधिकता की वजह से ये धीरे–धीरे जमा होकर छोटे–छोटे पत्थर जैसे बन जाते हैं जो कि गुर्दे, मूत्राशय या मूत्रमार्ग में रहने लगते हैं और समय–समय पर बहुत तेज दर्द का कारण बनते हैं।

पथरी का आयुर्वेदिक इलाज दृ बिना दवा के राहत

हालांकि मेडिकल इलाज से पथरी की समस्या दूर की जा सकती है लेकिन कुछ प्राकृतिक और आयुर्वेदिक उपाय भी काफी असरदार साबित हो सकते हैं। न्यूट्रिशनिस्ट किरण कुकरेजा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो के माध्यम से एक 500 साल पुराना आयुर्वेदिक नुस्खा बताया है, जो पथरी की परेशानी को दूर करने में मदद कर सकता है। यह नुस्खा न केवल पथरी को तोड़ने में मदद करता है, बल्कि शरीर को अंदर से साफ करने और यूटीआई (मूत्र संक्रमण) से राहत दिलाने में भी फायदेमंद माना जाता है।

क्या है यह आयुर्वेदिक नुस्खा?

न्यूट्रिशनिस्ट किरण बताती हैं कि यह नुस्खा है बार्ली वाटर यानी जौ का पानी। यह एक प्राचीन आयुर्वेदिक पेय है, जिसे रोजाना पीने से शरीर में मौजूद विषाक्त पदार्थ बाहर निकलने लगते हैं और पथरी की समस्या में राहत मिलती है। बार्ली वाटर शरीर को डिटॉक्स करता है और यूरिन की मात्रा बढ़ाता है जिससे पथरी के कण शरीर से बाहर निकलने में सहायता मिलती है।

कैसे बनाएं बार्ली वाटर?

सामग्रीः

2 टेबलस्पून साबुत जौ (बार्ली)

2.5 से 3 कप पानी

2–3 तुलसी के पत्ते (यदि यूटीआई है तो)

1/2 नींबू का रस या चुटकी भर सेंधा नमक (स्वाद के अनुसार)

बनाने की विधि

सबसे पहले साबुत जौ को 2–3 बार अच्छे से धो लें ताकि उसमें मौजूद सारी गंदगी निकल जाए। एक पैन में 2.5 से 3 कप पानी डालें और उसमें धोया हुआ जौ मिला दें। अब इसे मध्यम आंच पर 20–25 मिनट तक उबालें। जब जौ मुलायम हो जाए और पानी हल्का गाढ़ा लगने लगे, तब आंच बंद कर दें। थोड़ा ठंडा होने दें और फिर छानकर पानी को अलग कर लें। स्वाद के लिए आप इसमें नींबू का रस या सेंधा नमक मिला सकते हैं। अगर आपको मूत्र संक्रमण भी है, तो पानी उबालते समय उसमें 2–3 तुलसी के पत्ते भी डाल दें।

क्यों फायदेमंद है बार्ली वाटर?

बार्ली वाटर में विटामिन ठ6 और मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में होता है, जो विशेष रूप से कैल्शियम ऑक्सालेट पथरी को तोड़ने में मदद करते हैं। साथ ही, यह पानी यूरिन की मात्रा बढ़ाकर पथरी के कणों और शरीर के अन्य टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करता है।

कब और कैसे पिएं बार्ली वाटर?

सुबह खाली पेट 1 गिलास बार्ली वाटर पीना सबसे अच्छा माना जाता है।

दिन में आप 1 से 2 गिलास तक इसका सेवन कर सकते हैं।

ज्यादा मात्रा में पीने से बचें, ताकि शरीर पर अतिरिक्त दबाव न पड़े।

कौन न पिए ये पानी?

जिन लोगों को ग्लूटेन से एलर्जी है, उन्हें बार्ली वाटर से बचना चाहिए। गर्भवती महिलाएं या जो लोग किसी विशेष बीमारी से ग्रस्त हैं, वे इसका सेवन करने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

किडनी स्टोन की समस्या भले ही तकलीफदेह हो, लेकिन नेचुरल और आयुर्वेदिक उपायों से इससे राहत पाई जा सकती है। थोड़ी–सी सतर्कता और नियमितता से आप इस घरेलू नुस्खे को अपनी दिनचर्या में शामिल कर सकते हैं और सेहतमंद जीवन की ओर बढ़ सकते हैं।

बर्फ का पानी बन सकता है हार्ट अटैक की वजह, सद्गुरु ने बताया सही तापमान

गर्मी का मौसम जोरों पर है और हर दिन तापमान बढ़ता जा रहा है। कई इलाकों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है और मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले दिनों में हालात और बिगड़ सकते हैं। ऐसे में, तेज धूप और गर्म हवाओं से शरीर का पानी जल्दी सूखने लगता है और बार–बार प्यास लगती है। इस मौसम में ठंडा पानी पीना मानो एक सुकून भरा अनुभव होता है। लेकिन क्या बर्फ मिलाकर पानी पीना वाकई फायदेमंद है?

गर्मी में बर्फ वाला पानी पीनाः आम लेकिन गलत आदत

अक्सर देखा जाता है कि लोग गर्मी में अपने पीने के पानी में बर्फ डालकर पीते हैं। इसमें कोई शक नहीं कि यह ठंडक और राहत देता है लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह आदत धीरे–धीरे आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक बन सकती है? आयुर्वेद के साथ–साथ आधुनिक डॉक्टरों की भी यह सलाह है कि जरूरत से ज्यादा ठंडा या बर्फ वाला पानी शरीर पर नकारात्मक असर डाल सकता है।

सद्गुरु की सलाहः कितना ठंडा पानी पीना चाहिए?

ईशा फाउंडेशन के संस्थापक और आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु ने इस विषय पर जानकारी देते हुए बताया है कि पानी कितना ठंडा होना चाहिए जिससे वह शरीर के लिए नुकसान न बन जाए।

पानी का तापमान 4 डिग्री से कम न हो

सद्गुरु ने बताया कि अमेरिका जैसे देशों में लोग आमतौर पर एक गिलास पानी में 3–4 बर्फ के टुकड़े डालकर पीते हैं। परंतु अगर आप योगी हैं या अपने शरीर और मन को बेहतर बनाना चाहते हैं तो आपको ऐसा पानी पीना चाहिए जो आपके शरीर के तापमान से ज्यादा अंतर न रखे।

शरीर के तापमान के अनुसार सही पानी

हमारे शरीर का सामान्य तापमान लगभग 37 डिग्री सेल्सियस होता है। शरीर के भीतर यह लगभग 30 डिग्री सेल्सियस तक महसूस होता है। इसलिए, 26 से 34 डिग्री सेल्सियस तापमान का पानी सबसे सही माना जाता है। अगर तापमान थोड़ा ऊपर हो, यानी 40 डिग्री सेल्सियस तक भी हो, तो भी यह नुकसानदायक नहीं है।

छात्रों को कैसा पानी पीना चाहिए?

सद्गुरु के अनुसार, अगर आप विद्यार्थी हैं और पढ़ाई में बेहतर ध्यान और ज्ञान चाहते हैं, तो आपको लगभग 8 डिग्री सेल्सियस के आसपास का पानी पीना चाहिए। अगर आप घर पर रहते हैं और ज्यादा शारीरिक परिश्रम नहीं करते तो 12 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान का पानी आपके लिए उपयुक्त है।

बहुत ठंडा पानी क्यों नुकसान करता है?

पाचन तंत्र धीमा हो जाता हैः ठंडा पानी खाने को ठीक से पचाने में रुकावट डालता है।

तापमान में गिरावटः शरीर का तापमान अचानक कम हो जाता है, जिससे थकान और कमजोरी महसूस होती है।

गले की कोशिकाओं पर असरः बहुत ठंडा पानी गले को झटका देता है, जिससे खांसी या गले में खराश हो सकती है।

नसें सिकुड़ जाती हैंः बहुत ठंडा पानी शरीर की नसों को सिकोड़ देता है, जिससे ब्लड सर्कुलेशन धीमा हो सकता है।

मेटाबॉलिज्म धीमा हो सकता हैः अगर आप वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं, तो ठंडा पानी आपकी मेटाबॉलिज्म की गति को घटा सकता है।

दांतों की संवेदनशीलता बढ़ती हैः बर्फ चबाना या बहुत ठंडा पानी पीना दांतों की नसों को संवेदनशील बना सकता है।

गर्मी में ठंडा पानी जरूर राहत देता है लेकिन अगर वह जरूरत से ज्यादा ठंडा हो तो आपकी सेहत के लिए खतरा बन सकता है। हमेशा कोशिश करें कि पानी हल्का ठंडा हो, लेकिन बहुत ज्यादा ठंडा न हो।

बनाना कपकेक बनाते समय ये छोटे-छोटे टिप्स आएंगे बेहद काम

कपकेक खाना बच्चों से लेकर बड़ों तक हर किसी को काफी अच्छा लगता है। अमूमन लोग अपने घर पर तरह–तरह के कपकेक खाना व बनाना पसंद करते हैं। इन्हीं में से क है केले के कपकेक। ये बेहद ही नरम और मीठे होते हैं, जिन्हें बनाना भी काफी आसान होता है। अगर आपके पास कुछ ज्यादा पके हुए केले पड़े हैं, तो उन्हें फेंकने की जगह आप कपकेक बनाकर खा सकते हैं। घर पर केले के कपकेक बनाने के लिए आपको किसी खास सामान की ज़रूरत नहीं है और ना ही किसी एक्सपर्ट वाली बेकिंग स्किल की आवश्यकता होती है। बस आप कुछ सिंपल टिप्स अपनाकर केले के कपकेक बना सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही छोटे–छोटे टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर बेहद ही टेस्टी बनाना कपकेक बना सकते हैं–

पके हुए केले का इस्तेमाल करें

जब आप केले का कपकेक बना रहे हैं तो ऐसे में पके हुए केलों का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। दरअसल, ज्यादा पके केले मीठे और नरम होते हैं, जिससे कपकेक का स्वाद और नमी दोनों बढ़ते हैं। अक्सर केले पर काले दाग देखकर हम उन्हें फेंक देते हैं, लेकिन इनसे केले के कपकेक बनाना यकीनन बेहद अच्छा विचार है।

केले को अच्छे से मैश करें

केले का कपकेक बनाते समय केले को अच्छी तरह मैश करना चाहिए। कभी भी इसमें बड़े टुकड़े ना छोड़ें। दरअसल, स्मूद केले का पेस्ट बैटर में अच्छे से मिक्स होता है। जबकि बड़े टुकड़े नीचे बैठ सकते हैं या फिर कपकेक का टेक्सचर खराब कर सकते हैं।

बैटर को ज़्यादा मत मिलाएं

कपकेक बनाने के लिए आप जो बैटर तैयार करते हैं, उसे ओवर मिक्स करने से बचना चाहिए। इसे बहुत ज़्यादा मिलाने से आटे में ग्लूटन एक्टिव हो जाता है, जिससे कपकेक सख्त और चबाने वाले हो जाते हैं। इसलिए ध्यान रखें कि आप इसे बस उतना मिलाएं कि सब चीजें मिक्स हो जाएं।

रूम टेंपरेचर पर हो सामान

केले का कपकेक बनाते समय उसमें अंडा, मक्खन व दूध जैसी सामग्री का इस्तेमाल किया जाता है। कोशिश करें कि उनका तापमान रूम टेंपरेचर पर हो। दरअसल, रूम टेंपरेचर वाले चीज़ें बैटर में अच्छे से मिलती हैं और कपकेक अच्छे फूलते हैं। वहीं, अगर इंग्रीडिएंट ठंडे हों तो इससे चीजें मिक्स होने में दिक्कत करती हैं।

संक्षिप्त

भारत पाक के बीच जारी तनाव के बीच रिपोर्ट में हुआ बड़ा खुलासा, घर की थाली की कीमत में आई 4 फीसदी की गिरावट

भारत और पाकिस्तान दोनों ही पड़ोसी देशों के बीच तनाव की स्थिति से पूरा देश सहमा हुआ है। लोगों में जहां ऑपरेशन सिंदूर को लेकर उत्साह और गर्व है तो वहीं आने वाली स्थिति को लेकर संशय की स्थिति भी बनी हुई है। इसी बीच महंगाई के मोर्चे पर आम जनता को थोड़ी राहत मिली है। क्रिसिल की ताजा रिपोर्ट में भारत में घर पर पकाए गए शाकाहारी और मांसाहारी थाली तैयार करने की औसत लागत अप्रैल में साल–दर–साल 4 प्रतिशत कम हुई है। यह गिरावट मुख्य रूप से प्रमुख सब्जियों और ब्रॉयलर चिकन की कीमतों में भारी कमी के कारण हुई, जिससे घरेलू खाद्य बजट पर दबाव कम हुआ। टमाटर, आलू और प्याज की कीमतों में भारी गिरावट के कारण शाकाहारी थाली की कीमतों में उल्लेखनीय कमी आई। अप्रैल 2025 में टमाटर की कीमतें 34 प्रतिशत घटकर 21 रुपये प्रति किलोग्राम रह गईं, जबकि पिछले साल इसी महीने में कीमतें 32 रुपये प्रति किलोग्राम थीं। आलू की कीमतों में भी साल दर साल 11 प्रतिशत की गिरावट आई, जो पिछले साल के उच्च आधार की तुलना में अनुकूल तुलना को दर्शाता है, जब फसल विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में झुलसा रोग और अनियमित वर्षा से प्रभावित हुई थी। प्याज की कीमतों में साल दर साल 6 प्रतिशत की गिरावट आई, जिसका कारण उच्च आधार प्रभाव भी था। मांसाहारी थाली के मामले में, लागत में कमी का मुख्य कारण ब्रॉयलर चिकन की कीमतों में साल–दर–साल 4 प्रतिशत की गिरावट है, जो मांसाहारी थाली की लागत का लगभग आधा हिस्सा है। चिकन की कीमतों में गिरावट अधिक आपूर्ति और कमजोर उपभोक्ता मांग के कारण हुई, विशेष रूप से महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक जैसे राज्यों में, जहां बर्ड फ्लू की चिंताओं के कारण खपत कम हो गई।

वनस्पति तेल की कीमत में वृद्धि

हालाँकि, अन्य क्षेत्रों में बढ़ती इनपुट लागत के कारण थाली की कीमतों में समग्र गिरावट कुछ कम हो गई। क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिटिक्स के निदेशक (शोध) पुशन शर्मा ने कहा, ष्आयात शुल्क में वृद्धि के कारण वनस्पति तेल की कीमतों में 19 प्रतिशत की वृद्धि और एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 6 प्रतिशत की वृद्धि ने दोनों थालियों की लागत में और गिरावट को रोक दिया।ष माह–दर–माह आधार पर शाकाहारी थाली की कीमत में 1 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि मांसाहारी थाली 2 प्रतिशत सस्ती हो गई। प्याज की कीमतों में 14 प्रतिशत और आलू की कीमतों में 2 प्रतिशत की गिरावट से इसमें मदद मिली, हालांकि टमाटर की कीमतों में 1 प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई। ब्रॉयलर की कीमतों में भी माह–दर–माह 2 प्रतिशत की गिरावट आई।

भू–राजनीतिक तनाव के बीच उतार–चढ़ाव भरे कारोबार में सेंसेक्स, निफ्टी स्थिर

घरेलू बाजारों सेंसेक्स और निफ्टी ने बृहस्पतिवार को दिन की शुरुआत आशावादी रुख के साथ की लेकिन जल्द ही इनमें उतार–चढ़ाव देखने को मिला। भारतीय सशस्त्र बलों के पाकिस्तान एवं पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाने के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने से निवेशक सर्तक रुख अपना रहे हैं। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 181.21 अंक चढ़कर 80,927.99 अंक पर जबकि एनएसई निफ्टी 32.85 अंक की बढ़त के साथ 24,447.25 अंक पर रहा। हालांकि, बाद में दोनों में उतार–चढ़ाव देखने को मिला और वे सपाट रुख के साथ कारोबार करने लगे। बीएसई सेंसेक्स 24.31 अंक की गिरावट के साथ 80,730.57 अंक पर और निफ्टी 32.20 अंक फिसलकर 24,382.20 अंक पर आ गया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से टाटा मोटर्स, पावर ग्रिड, कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, अदाणी पोर्ट्स, इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। इटर्नल, आईटीसी, मारुति, एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर नुकसान में रहे। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, शंघाई एसएसई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग और जापान का निक्की 225 फायदे में रहे। अमेरिकी बाजार बुधवार को सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.70 प्रतिशत की बढ़त के साथ 61.65 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 2,585.86 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। गौरतलब है कि भारतीय सशस्त्र बलों ने मंगलवार एवं बुधवार की दरमियानी रात पाकिस्तान एवं पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें बहावलपुर में जैश–ए–मोहम्मद का गढ़ और मुरीदके में लश्कर–ए–तैयबा का ठिकाना शामिल है। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत ये सैन्य हमले किए गए। पहलगाम आतंकवादी हमले में 26 भारतीय नागरिकों की जान गई थी।

भारत–पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने से दोनों देशों के लिए ऋण जोखिम बढ़ेगा : एसएंडपी

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने से दोनों देशों के लिए ऋण जोखिम भी बढ़ेगा। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने बृहस्पतिवार को यह बात कही। एसएंडपी ने भारत और पाकिस्तान को सकारात्मक परिदृश्य के साथ 'बीबीबी–' और 'सीसीसी+' (स्थिर परिदृश्य) रेटिंग दे रखी है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में उसे संप्रभु क्रेडिट रेटिंग पर तत्काल कोई प्रभाव नहीं दिखता है। अगले दो से तीन सप्ताह तक तनाव के उच्च स्तर पर बने रहने की आशंका है और दोनों पक्षों की ओर से महत्वपूर्ण सैन्य कार्रवाई की जा सकती है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने बयान में कहा, '' भारत और पाकिस्तान के बीच शत्रुता शुरू होने से क्षेत्रीय ऋण जोखिम बढ़ गया है, खासकर इसमें शामिल दोनों देशों के लिए...। हमारा मूलभूत तर्क यह है कि तीव्र सैन्य कार्रवाई अस्थायी है, जिससे लंबे समय तक सीमित और छिटपुट टकराव का रास्ता बनेगा।''

टेस्ट डेब्यू पर लगातार दो शतक से लेकर सबसे ज्यादा छक्के तक, गुपचुप 10 बड़े रिकॉर्ड बना गए रोहित

नई दिल्ली। रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उन्होंने बुधवार को इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिये दुनिया को अचानक से इस फैसले की जानकारी दी। उनका यह फैसला चौंकाने वाला था क्योंकि इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्होंने टेस्ट से संन्यास की अटकलों का खंडन किया था। इसके बाद उनकी कप्तानी में टीम ने चौंपियंस ट्रॉफी जीती। ऐसा लग रहा था कि सबकुछ सामान्य चल रहा है, तभी रोहित ने टेस्ट से संन्यास का बम फोड़ा। न तो उन्होंने किसी फेयरवेल मैच की डिमांड रखी और न ही कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसका एलान किया। भारत को पिछले छह महीने में दो बड़े क्रिकेटर्स के संन्यास से बड़ा झटका लगा। रोहित से पहले रविचंद्रन अश्विन ने संन्यास लिया था। हालांकि, इससे तो यह तय है कि अगले महीने इंग्लैंड दौरे से टीम एक नए कप्तान के अंदर खेलेगी और बदलाव के दौर से गुजरेगी। रोहित को 2022 में टेस्ट कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। विराट कोहली के कप्तानी छोड़ने के बाद उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई थी। रोहित ने बतौर कप्तान, एक खिलाड़ी के तौर पर और बतौर ओपनर इस प्रारूप में कई रिकॉर्ड्स भी बनाए। टेस्ट डेब्यू पर उन्होंने शतक भी लगाया था। साथ ही उनके नाम टेस्ट में किसी भारतीय द्वारा दूसरा सबसे ज्यादा छक्का लगाने का रिकॉर्ड भी है। आइए उनके कुछ ऐसे बड़े और अनसुने रिकॉर्ड्स पर नजर डालते हैं...

1. रोहित शर्मा ने टेस्ट में 12 शतक लगाए और इन शतकों की खास बात यह है कि इन सभी टेस्ट में टीम इंडिया ने जीत दर्ज की। रोहित के अलावा किसी अन्य खिलाड़ी के जीत में दस या इससे ज्यादा शतक नहीं हैं। इस मामले में वार्विक आर्मस्ट्रांग (6) और डेरेन लेहमैन (5) का नंबर रोहित के बाद आता है।

2. बतौर ओपनर रोहित ने टेस्ट में नौ शतक लगाए। उन्हें अक्तूबर 2019 में भारत का टेस्ट ओपनर बनाया गया था। तब से किसी अन्य सलामी बल्लेबाज ने इतने शतक नहीं बनाए हैं। कुल मिलाकर इस अवधि में केवल चार बल्लेबाजों ने रोहित की तुलना में अधिक टेस्ट शतक बनाए हैं।

3. रोहित ने विश्व टेस्ट चौम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के पहले तीन चक्रों (2019–21, 2021–23 और 2023–25) को मिलाकर भारत के लिए सबसे ज्यादा रन (2716) बनाए। उनके नौ शतक भी भारत के लिए सबसे ज्यादा हैं। इस लिस्ट में अगले सर्वश्रेष्ठ विराट कोहली और शुभमन गिल के पांच–पांच शतक हैं। भारतीय बल्लेबाजों में केवल यशस्वी जायसवाल (52.88) का औसत डब्ल्यूटीसी में रोहित (41.15) से बेहतर है।

4. 2019–20 टेस्ट सत्र की शुरुआत से 2023–24 तक, टेस्ट में रोहित का औसत 50.03 का रहा। इस अवधि में कम से कम 25 पारियां खेलने वालों में दुनिया के केवल आठ अन्य बल्लेबाजों का औसत 50 या उससे अधिक का रहा। भारतीयों में रोहित का औसत इस अवधि में सबसे शानदार रहा। इस लिस्ट में ऋषभ पंत 43.34 की औसत के साथ दूसरे नंबर पर रहे।

5. बतौर टेस्ट ओपनर रोहित का 50 के स्कोर को 100 में बदलने की दर 52.94 रही। उन्होंने इस रोल में अपने 16 50+ के स्कोर में से नौ को शतक में परिवर्तित किया। बतौर ओपनर कम से कम दस 50+ का स्कोर बनाने वाले बल्लेबाजों में केवल शिखर धवन और डेनिस एमिस का रोहित से बेहतर परिवर्तन दर है। धवन ने बतौर ओपनर अपने 12 50+ के स्कोर में से सात को शतक में परिवर्तित किया। उनका दर 58.33 का रहा। वहीं, एमिस ने बतौर ओपनर अपने 20 50+ के स्कोर में से 11 को शतक में बदला। उनका दर 55 का रहा।

6. रोहित ने घर पर टेस्ट में 10 शतक बनाए। ये सभी भारत की घर पर लगातार 18 टेस्ट सीरीज जीत की स्ट्रीक के दौरान आए। इस दौरान रोहित से ज्यादा शतक सिर्फ कोहली (12 शतक) के नाम थे। रोहित ने इस दौरान 56.83 की औसत से 2444 रन बनाए, केवल कोहली (60.12) का औसत उनसे बेहतर था।

7. रोहित ने कुल 67 टेस्ट खेले और 40.57 की औसत से 4301 रन बनाए। इसमें 12 शतक और 18 अर्धशतक शामिल हैं। 212 रन उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा। रोहित के करियर टेस्ट रनों में से 69.4 प्रतिशत रन जीत में आए। टेस्ट में कम से कम 3000 रन बनाने वाले बल्लेबाजों में केवल एडम गिलक्रिस्ट और मैथ्यू हेडन का अपनी टीमों की जीत में रोहित से बेहतर रनों का योगदान है। गिलक्रिस्ट के करियर टेस्ट रनों में से 77.77 प्रतिशत रन जीत (ऑस्ट्रेलिया की जीत) में आए। वहीं, हेडन के करियर टेस्ट रनों में से 71.35 रन जीत (ऑस्ट्रेलिया की जीत) में आए।

8. साल 2019 में विशाखापत्तनम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में रोहित ने 13 छक्के लगाए थे। यह एक टेस्ट में किसी बल्लेबाज द्वारा सबसे अधिक है। रोहित ने टेस्ट क्रिकेट में 88 छक्के लगाए। भारत के लिए सिर्फ वीरेंद्र सहवाग (90) ने टेस्ट में उनसे ज्यादा छक्के लगाए। इस प्रारूप में ओवरऑल सबसे ज्यादा छक्के लगाने वालों हिटमैन नौवें नंबर पर हैं।

एक अध्याय समाप्त हुआ.., रोहित के संन्यास पर भावुक हुए धवन; जय शाह से गंभीर तक की प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने बुधवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ अगले महीने शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज से पहले लाल गेंद प्रारूप को छोड़ने का फैसला किया। हिटमैन के इस निर्णय ने सभी को हैरान कर दिया। अब सोशल मीडिया पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह से लेकर भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर तक सभी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। रोहित शर्मा को 2022 में टेस्ट प्रारूप का नियमित कप्तान बनाया गया था। तब से लेकर हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे तक वह क्रिकेट के सबले लंबे प्रारूप में टीम इंडिया के कप्तान रहे। उनकी कप्तानी में भारत ने 24 टेस्ट खेले और इसमें से सिर्फ 12 टेस्ट में टीम इंडिया को जीत मिली। नौ टेस्ट में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा। तीन टेस्ट ड्रॉ रहे। रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने रिएक्ट किया। उन्होंने एक्स पर लिखा– टेस्ट क्रिकेट में आपके साहसिक नेतृत्व और अपने करियर के दौरान सबसे लंबे प्रारूप के प्रशंसकों को दिए गए मनोरंजन के लिए रोहित शर्मा को धन्यवाद। मैदान पर और मैदान के बाहर भविष्य की पारियों के लिए आपको शुभकामनाएं।

गौतम गंभीर ने क्या कहा?

भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी रोहित शर्मा की तारीफ की। उन्होंने लिखा– एक मास्टर, एक कप्तान और एक रत्न! रोहित शर्मा!

धवन भावुक हुए

रोहित के सबसे पुराने ओपनिंग पार्टनर शिखर धवन ने भी हिटमैन के संन्यास के फैसले पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा– एक अध्याय समाप्त हुआ, पर यादें हमेशा जिंदा रहेंगी। शानदार टेस्ट करियर के लिए शुभकामनाएं रोहित शर्मा।

हर चीज के लिए शुक्रिया– यशस्वी जायसवाल

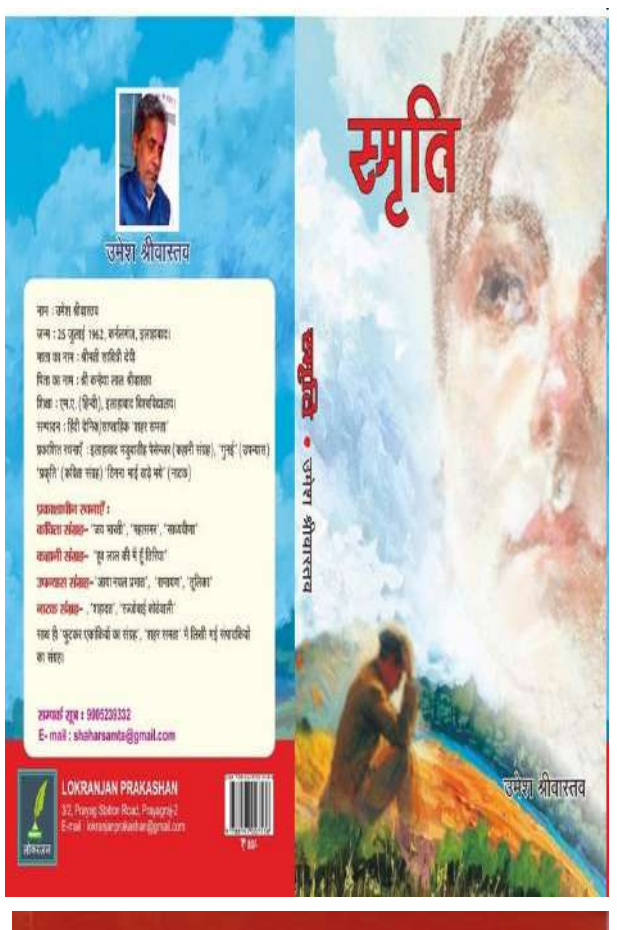

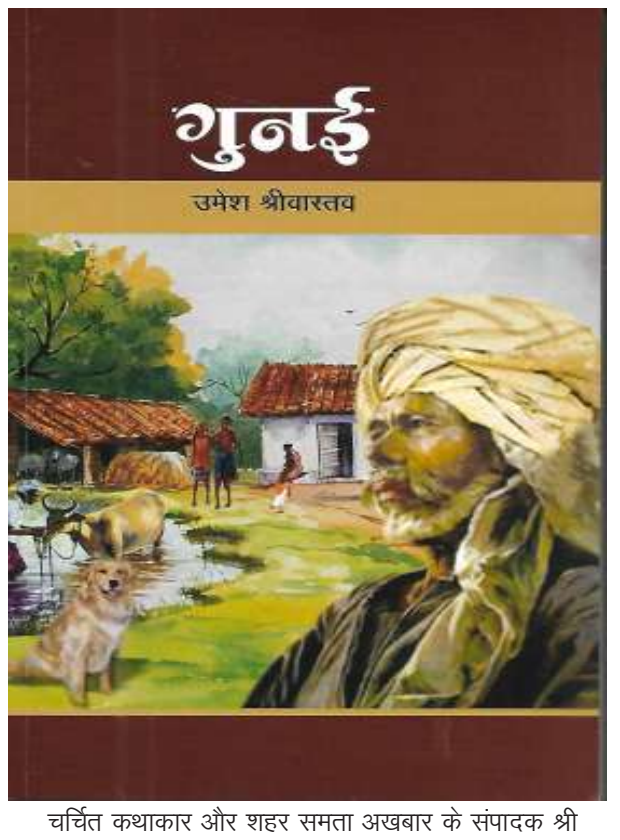

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

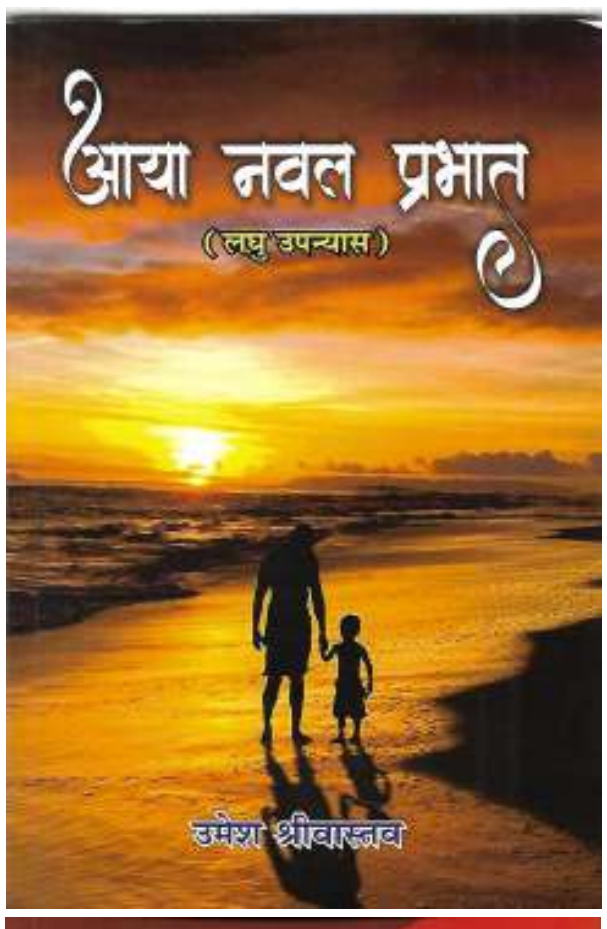

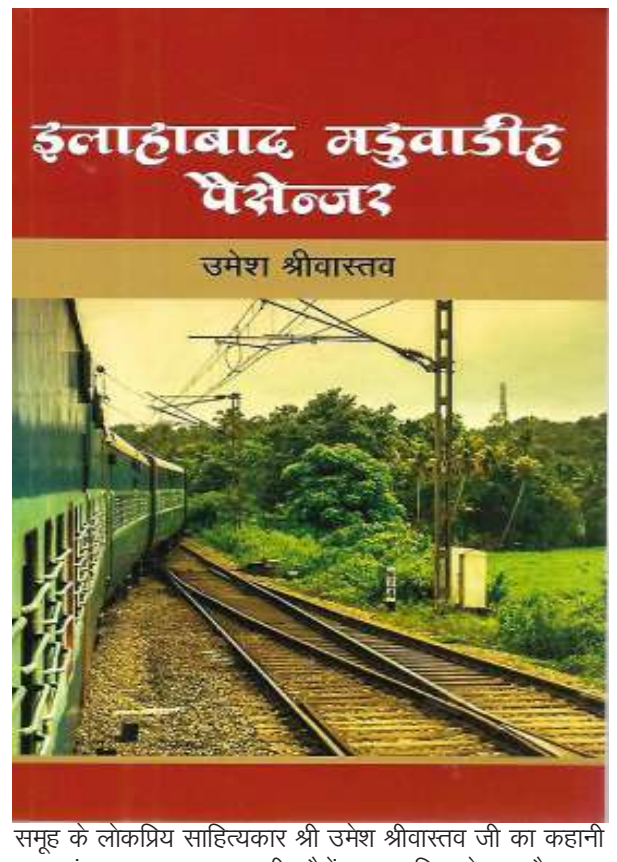

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

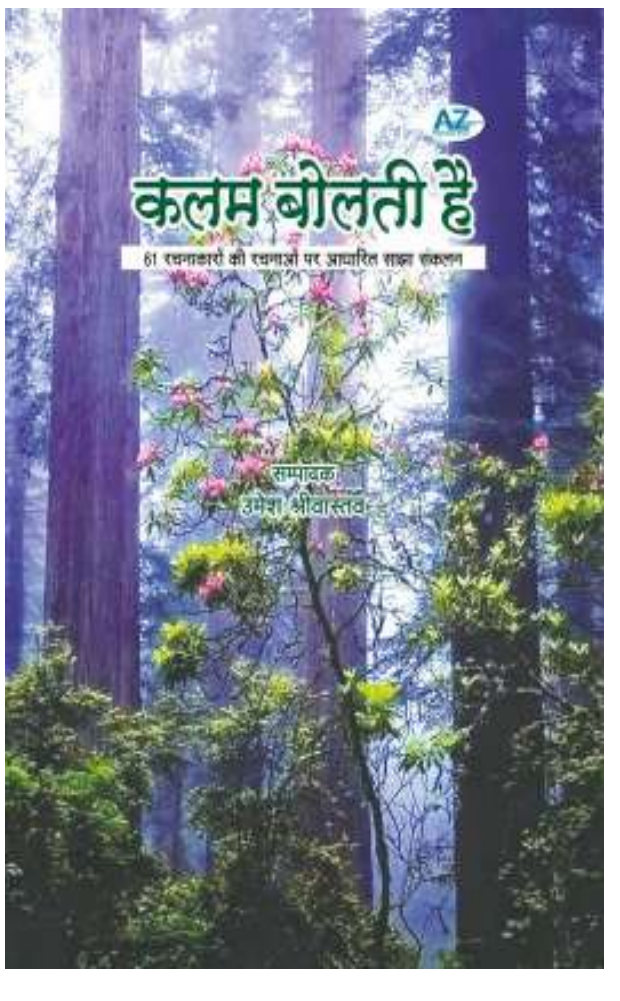

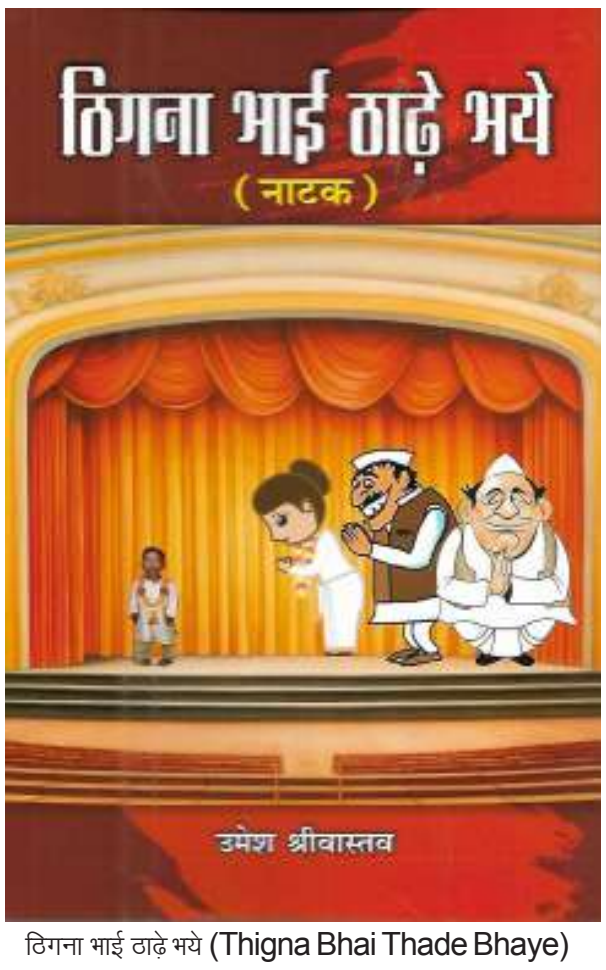

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

लाहौर में सैन्य हवाई अड्डे के बाहर हुए तीन विस्फोट, बजने लगे सायरन, `ऑपरेशन सिंदूर' के बाद फिर से दहली पाकिस्तान की धरती

लाहौर में वाल्टन रोड पर सैन्य हवाई अड्डे के बाहर तीन विस्फोट हुए, स्थानीय प्रसारक जियो टीवी और रॉयटर्स के एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, गुरुवार सुबह पाकिस्तान के लाहौर में एक जोरदार विस्फोट हुआ। यह विस्फोट भारत द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी शिविरों पर हमले करने के एक दिन बाद हुआ है। यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि विस्फोट किस कारण से हुआ। स्थानीय मीडिया के अनुसार, गुरुवार सुबह पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के सबसे बड़े शहर लाहौर में वाल्टन रोड पर कई विस्फोटों की आवाज सुनी गई। बताया जा रहा है कि ये धमाके पॉश इलाके वाल्टन रोड पर स्थित एक सैन्य हवाई अड्डे के बाहर एक के बाद एक हुए। जियो न्यूज के अनुसार, धमाके के बाद सायरन बजने लगे और दमकल विभाग और पुलिस के जवान मौके पर पहुंच गए। सोशल मीडिया पर दिखाई गई तस्वीरों में लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल रहे हैं और परिसर में स्थित एक इमारत से काला धुआं निकल रहा है। एहतियात के तौर पर, वाल्टन रोड से करीब 25 किलोमीटर दूर लाहौर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को बंद कर दिया गया है। स्थानीय मीडिया द्वारा साझा किए गए दृश्यों में लाहौर की सड़कों पर दहशत दिखाई दे रही थी, जहां लोग अपने घरों से बाहर निकलकर डर के मारे सड़कों पर जमा हो गए थे। शहर के वाल्टन रोड पर लगातार तीन विस्फोटों की आवाज सुनाई देने के कारण शहर में धुएं के बादल छा गए। समा टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, आज सुबह सीमा पर तनाव के कारण लाहौर और सियालकोट में कई हवाई मार्गों को वाणिज्यिक उड़ानों के लिए अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया।

ऑपरेशन सिंदूर

बुधवार को, भारतीय सशस्त्र बलों ने एक बड़े अभियान को अंजाम दिया, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ढांचों को निशाना बनाया गया। 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम का यह हमला पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने के लिए किया गया था, जिसमें 26 भारतीय मारे गए थे, जिनमें ज़्यादातर हिंदू थे। एक बयान में, भारत ने कहा कि उसने आतंकी शिविरों पर "सटीक और संयमित प्रतिक्रिया" की। विदेश मंत्रालय ने इस बात पर ज़ोर दिया कि ऑपरेशन को "गैर–उग्र" बनाया गया था और किसी भी नागरिक, आर्थिक या सैन्य बुनियादी ढांचे को नुकसान नहीं पहुँचाया गया। यह मुठभेड़ कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए हमले के बाद हुई है, जहाँ बंदूकधारियों ने एक नागरिक इलाके में घुसकर 26 लोगों – ज़्यादातर पुरुषों – को उनके परिवारों के सामने मार डाला था। भारत का दावा है कि हमले के पीछे पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूह थे, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने बदला लेने की कसम खाई। पाकिस्तान ने किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया।

संक्षिप्त

भारत–पाकिस्तान तनाव के बीच अचानक दिल्ली पहुंचे सऊदी अरब के मंत्री, एस जयशंकर से की मुलाकात

सऊदी अरब के विदेश राज्य मंत्री आदिल अल–जुबैर पूर्व घोषित यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे और पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में सैन्य हमलों को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव की पृष्ठभूमि में गुरुवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। सऊदी अरब के नेता, जो सऊदी अरब के जलवायु दूत भी हैं, और भारतीय मंत्री के बीच बैठक के बारे में एकमात्र जानकारी जयशंकर ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से दी। उन्होंने कहा कि आज सुबह सऊदी अरब के

विदेश मामलों के राज्य मंत्री आदिल अल–जुबैर के साथ अच्छी बैठक हुई। जयशंकर ने बुधवार को भारत द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ स्थानों पर आतंकवादी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किए गए सैन्य हमलों का जिक्र करते हुए कहा, ''हमने आतंकवाद का दृढ़ता से मुकाबला करने पर भारत के दृष्टिकोण को साझा किया। पाकिस्तानी सेना ने कहा कि हमलों में 26 लोग मारे गए और 46 अन्य घायल हो गए। ऑपरेशन सिंदूर नामक इस कार्रवाई ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से दोनों पक्षों के बीच तनाव को और बढ़ा दिया है, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। भारत ने पहलगाम हत्याकांड से "सीमा पार संबंधों" को लेकर सिंधु जल संधि को निलंबित करने सहित कई दंडात्मक कूटनीतिक, आर्थिक और राजनीतिक उपायों का अनावरण किया था। सऊदी मंत्री की जयशंकर के साथ बैठक ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के बुधवार देर रात नई दिल्ली आने के कुछ घंटों बाद हुई, जो जयशंकर के साथ द्विपक्षीय संयुक्त आयोग की बैठक की सह–अध्यक्षता करने के लिए पहले से तय यात्रा पर थे। अराघची ने हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता की पेशकश करके नई दिल्ली में हलचल मचा दी थी। परमाणु–सशस्त्र पड़ोसियों के बीच व्यापक संघर्ष को टालने के प्रयास में मध्यस्थ के रूप में खुद को स्थापित करने के ईरान के प्रयास के बीच, दशकों की शत्रुता से प्रेरित संघर्ष को सुलझाने के लिए किसी तीसरे देश की निष्पक्षता, लाभ और क्षमता के बारे में पाकिस्तान में अटकलें लगाई जा रही थीं। इस्लामाबाद में ईरानी मंत्री ने कथित तौर पर भारत और पाकिस्तान के बीच भाईचारे की बातचीत की आवश्यकता पर जोर दिया।

शेष तीन बंधकों के जीवित बचे होने पर संदेह है : इजराइल के प्रधानमंत्री

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को कहा कि गाजा में तीन बंधकों के जीवित होने पर संदेह है। पहले इन बंधकों के बारे में माना जा रहा था कि वे जीवित हैं। यह बयान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के एक दिन बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि 24 बंधकों में से केवल 21 ही जीवित बचे हैं। इस खबर से गाजा में शेष बंदियों के परिवार दहशत में हैं।

मिसाइल के गिरते ही गुंबद हुआ गायब, पाकिस्तान में तबाही की सैटेलाइट तस्वीरें, सब हैरान!

आतंकवाद के खिलाफ भारत के चलाए ऑपरेशन सिंदूर का सबसे बड़ा सबूत सामने आया है। पाकिस्तान के बहावलपुर में आतंकी ठिकाने को तबाह कर दिया गया है। इस तबाही की सैटेलाइट तस्वीरें सामने आई हैं। जिसमें नजर आ रहा है कि मिसाइल गिरने के बाद किस कदर वहां आतंकी ठिकाना तबाह किया गया है। सैटेलाइट तस्वीरों में नजर आ रहा है कि कैसे पहले वहां गुंबद नजर आ रहा था लेकिन हमले के बाद वो गुंबद वहां से गायब हो जाते हैं। भारत की स्ट्राइक के बाद आतंकी

ठिकाने बर्बाद हो जाते हैं। भारत की ओर से नौ जगहों पर एयरस्ट्राइक की गई और ये सभी आतंकियों के स्टैबल्सिमेंट थे। सबसे बड़ी स्ट्राइक पाक में पंजाब के बहावलपुर में आतंकी संगठन जैश–ए–मोहम्मद के मुख्यालय पर हुई। जैश सरगना मसूद अजहर के परिवार के 14 लोग इसमें मारे गए। परिजनों को खोने से टूटा मसूद, मेरा कुनबा खत्म हो गया। काश मैं भी मर जाता तो अच्छा होता। उसकी बहन, भांजा–भतीजा व उनकी पत्नियां मारी गई। मसूद पहलगाम हमले के बाद अभी बहावलपुर से भाग कर एबटाबाद में आईएसआई के सेफ हाउस में दुबका है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

भारत- पाकिस्तान के बीच स्थिति बेहद नाजुक, `ऑपरेशन सिंदूर' के बाद हालातों पर बारीकी से नजर रख रहा है अमेरिका

पहलगाम हमले के बाद से ही देश में आक्रोश था दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ता जा रहा था। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के साथ ही पाकिस्तान के आतंकियों के अड्डों पर मिसाइलें दागी और पहलगाम का बदला लिया। अब पाकिस्तान ने भी भारत के खिलाफ एक्शन लेने की कसम खाई है। दोनों देशों के बीच हालात बेहद नाजुक बने हुए हैं। ऐसे में अमेरिका भी अब इस मुद्दे को गंभीरता से ले रहा हैं।

भारत– पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति बेहद नाजुक

अमेरिकी सेना के एक शीर्ष कमांडर ने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना की कार्रवाई के बाद अमेरिका ''स्थिति पर बेहद बारीकी से नजर रख रहा है''। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले का बदला लेते हुए भारतीय सशस्त्र बलों ने मंगलवार देर रात 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए। पहलगाम आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए थे जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। अमेरिकी सेना के प्रशांत क्षेत्र कमांडिंग जनरल, रोनाल्ड क्लार्क ने बुधवार को डिजिटल माध्यम से संवाददाताओं से कहा, ''अभी इस बारे में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। हम स्थिति पर बेहद करीब से नजर रख रहे हैं। हम अपने मुख्यालय और अमेरिका हिन्द–प्रशांत कमान मुख्यालय (यूएसइंडोपैकोम) से सपंर्क साधे हुए हैं क्योंकि इन हमलों के बारे में जानकारी और भी स्पष्ट हो रही है।'' 'यूएसइंडोपैकोम' अमेरिकी सशस्त्र बलों की छह एकीकृत लड़ाकू कमान में से एक है, जिसका मुख्यालय हवाई में है। क्लार्क भारत के हमलों के बाद उत्पन्न हुए हालात पर अमेरिका के दृष्टिकोण से जुड़े सवाल का जवाब दे रहे थे। इससे पहले बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि वह चाहते हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ता संघर्ष ''रुकना'' चाहिए और अगर वह कुछ मदद कर सके हैं तो जरूर करेंगे।

भारत और पाकिस्तान के तनाव पर क्या बोले ट्रंप

ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच ''युद्ध'' पर एक सवाल के जवाब में कहा, ''यह बहुत भयानक है। मेरी इच्छा यह है कि मैं दोनों को साथ लेकर काम करूं। मैं दोनों को बहुत अच्छी तरह से जानता हूं और मैं उन्हें इसे (तनाव को) हल करते हुए देखना चाहता हूं। मैं उन्हें रुकते हुए देखना चाहता हूं और उम्मीद है कि वे अब रुक सकते हैं। उन्होंने एक दूसरे के खिलाफ जैसे को तैसा वाला रुख अपनाया है तो अब उम्मीद है कि वे रुक सकते हैं। मैं उन दोनों को जानता हूं, हम दोनों देशों के साथ बहुत अच्छे से मिलकर काम करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''दोनों के साथ अच्छे संबंध हैं और मैं इसे रुकते देखना चाहता हूं। और अगर मैं कुछ मदद कर सकता हूं तो मैं जरूर करूंगा।

पाकिस्तान एलओसी पर कर रहा है तोपों से फायरिंग

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले का बदला देते हुए भारत ने मंगलवार देर रात पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइलों से हमले किए। पहलगाम आतंकवादी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी जिनमें अधिकांश पर्यटक थे। बढ़ते तनाव को देखते हुए अधिकारियों ने आदेश दिया है कि जम्मू क्षेत्र के पांच सीमावर्ती जिलों में सभी शैक्षणिक संस्थान बृहस्पतिवार को दूसरे दिन भी बंद रहेंगे। मंडल आयुक्त रमेश कुमार ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि मौजूदा स्थिति को देखते हुए जम्मू, सांबा, कठुआ, राजौरी और पुंछ जिलों में सभी स्कूल, कॉलेज और शैक्षणिक संस्थान बृहस्पतिवार को भी बंद रहेंगे। जम्मू संभाग में प्रशासन ने क्षेत्र के सभी 10 जिलों में नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किए हैं जो 24 घंटे काम करेंगे। पहलगाम हमले के बाद बढ़े तनाव के बीच यह 14वीं रात थी जब पाकिस्तान की ओर से जम्मू कश्मीर में सीमा पर गोलीबारी की गई।

ब्रिटेन की संसद में भारत–पाकिस्तान संघर्ष पर चर्चा, तनाव कम करने की अपील

पहलगाम आतंकी हमले और इसके जवाब में 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर की गई भारत की कार्रवाई के मद्देनजर दोनों पड़ोसी देशों के बीच बढ़ते तनाव को लेकर ब्रिटेन की संसद में लंबी चर्चा हुई। चर्चा के दौरान विभिन्न दलों

के सदस्यों ने क्षेत्र में तनाव कम करने के लिए ब्रिटेन की ओर से मदद की जरूरत बताई। भारत ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के जवाब में मंगलवार देर रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गए थे। ब्रिटेन के विदेश मंत्री हैमिश फाल्कनर ने बुधवार को निचले सदन 'हाउस ऑफ कॉमन्स' में एक बयान के साथ चर्चा की शुरुआत की और कूटनीति एवं संवाद के महत्व पर प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर की पिछली टिप्पणियों को दोहराया गया। उन्होंने देश में बड़ी संख्या में ब्रिटिश भारतीयों और ब्रिटिश पाकिस्तानियों के लिए संघर्ष के बहुत ही ''व्यक्तिगत'' पहलू से संबंधित चिंताओं को भी व्यक्त किया। फाल्कनर ने कहा, ''भारत और पाकिस्तान दोनों को हम लगातार यही संदेश देना चाहते हैं कि वे संयम बरतें। उन्हें एक त्वरित, कूटनीतिक मार्ग तलाशने के लिए बातचीत में शामिल होने की आवश्यकता है।'' उन्होंने कहा, ''ब्रिटेन का दोनों देशों के साथ घनिष्ठ और अनूठा संबंध है। नागरिकों की जान जाते देखना दिल को झकझोर देने वाला है। अगर तनाव ऐसे ही और बढ़ता है, तो किसी की भी जीत नहीं होगी। हमने पिछले महीने हुए भयावह आतंकवादी हमले की स्पष्ट रूप से निंदा की।'' ब्रिटेन की छाया विदेश मंत्री (ब्रिटेन की आधिकारिक विपक्ष की समानांतर छाया कैबिनेट) प्रीति पटेल ने भारत के खुद का बचाव करने और ''आतंकवादी बुनियादी ढांचे'' को नष्ट करने के लिए ''उचित एवं सधा'' कदम उठाने के अधिकार पर प्रकाश डाला। ब्रिटेन की भारतीय मूल की सांसद ने कहा, ''पाकिस्तान में स्थित आतंकवादी भारत और पश्चिमी हितों के लिए खतरा हैं। यह वही देश है जहां ओसामा बिन लादेन छिपा हुआ था। भारत में आतंकवादियों द्वारा हिंसा के लंबे इतिहास के कारण ब्रिटेन ने भारत के साथ लंबे समय से सुरक्षा सहयोग समझौतों में जगह बनाई है।'' भारत में जन्मे और ब्रिटेन के इलफर्ड साउथ से लेबर पार्टी के सांसद जस. अठवाल ने सदन को संबोधित करते हुए कहा कि उनके माता–पिता पाकिस्तान में पैदा हुए थे। उन्होंने कहा, ''मैं यह भी अच्छी तरह से जानता हूं कि कोई भी देश अपने कदम पीछे नहीं करेगा। इसलिए मंत्री मुझे और मेरे संसदीय क्षेत्र के निवासियों को आश्वस्त करने के लिए ऐसा क्या कर सकते हैं जिससे कि दोनों 'सुपरपॉवर' दुनिया के इस अस्थिर हिस्से में शांति बहाल करने के वास्ते बातचीत की मेज पर आएं जिसके लिए हम हर संभव प्रयास करेंगे।'' कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद बॉब ब्लैकमैन ने पाकिस्तान से ''हमेशा हमेशा के लिए'' आतंकवादी ठिकानों को हटाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ''भारत ने तब यह स्पष्ट कर दिया था कि या तो पाकिस्तान नियंत्रण रेखा के साथ लगते इन आतंकवादी ठिकानों को हटा दे या फिर भारत उन्हें हटा देगा... नौ जगहों को निशाना बनाया गया; वे आतंकवादी ठिकाने थे जहां आतंकवादियों को भारत में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा था।

उत्तर कोरिया ने अपने समुद्री क्षेत्र में कई मिसाइलें दागीं : दक्षिण कोरिया

उत्तर कोरिया ने बृहस्पतिवार को अपने पूर्वी समुद्री क्षेत्र की ओर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। दक्षिण कोरिया की सेना ने यह जानकारी दी। दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ' ने बताया कि पूर्वी बंदरगाह शहर वॉनसन के आसपास के क्षेत्र से सुबह आठ बजकर 10 मिनट से नौ बजकर 20 मिनट के बीच कई मिसाइलें दागी गईं जिनमें से सबसे अधिक दूरी लगभग 800 किलोमीटर तक थी। हालांकि, इस बारे में स्पष्ट नहीं बताया गया कि कितनी मिसाइलें दागी गईं। दक्षिण कोरिया की सेना के प्रवक्ता ली सुंग जून ने मीडिया को बताया कि उत्तर कोरिया के प्रक्षेपणों

का उद्देश्य संभवतः उन हथियारों के प्रदर्शन का परीक्षण करना था जिन्हें वह निर्यात करने की योजना बना रहा है। उत्तर कोरिया यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस को सैन्य उपकरण की आपूर्ति कर रहा है और अपने सैनिकों को भी भेज रहा है। जॉइंट चीफ ने कहा कि दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी खुफिया अधिकारियों ने प्रक्षेपण की तैयारियों को पहले ही भांप लिया था और मिसाइलों के प्रक्षेपण के बाद उन पर नजर रखी। जापान के रक्षा मंत्री जनरल नकातानी ने संवाददाताओं से कहा कि उत्तर कोरिया की कोई भी मिसाइल जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र तक नहीं पहुंची और क्षेत्र में जहाजों या विमानों को कोई नुकसान नहीं हुआ। नकातानी ने कहा कि जापान सरकार ने बीजिंग स्थित उत्तर कोरियाई दूतावास के माध्यम से इन प्रक्षेपणों का ''कड़ा विरोध और कड़ी निंदा'' की है। इससे पहले, अमेरिकी और दक्षिण कोरियाई सैनिकों द्वारा वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू किए जाने के कुछ घंटों बाद 10 मार्च को उत्तर कोरिया की तरफ से कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गई थीं, लेकिन इसके बाद से यह पहली ज्ञात प्रक्षेपण गतिविधि थी। बताया जाता है कि इस साल मिसाइल दागे जाने की यह छठी घटना थी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम में तेजी ला रहे हैं जिससे कोरियाई प्रायद्वीप पर तनाव हाल के महीनों में काफी बढ़ गया है। इसके अलावा उत्तर कोरिया यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस का समर्थन करने के लिए हथियारों की आपूर्ति कर रहा है और अपने सैनिकों को भी भेज रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद बौखलाया पाकिस्तान तो ट्रंप ने कह दी खतरनाक बात

भारत के ऑपरेशन के बाद पाकिस्तान की तरफ से लगातार सीजफायर का उल्लंघन किया जा रहा है। सीमा पार से पाकिस्तान रेंजर्स गोलीबारी कर रहे हैं जिसका भारतीय सेना की तरफ से भी मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है। पाकिस्तान जो गोलीबारी कर रहा है, उसमें कई आम नागरिकों की जान गई है। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक बयान सामने आया है। प्रेस वार्ता के दौरान एक अमेरिकी पत्रकार की तरफ से उनसे भारत पाकिस्तान के तनाव को लेकर सवाल पूछा। जिस पर जवाब देते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ये बहुत ही भयानक है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।